हरिभूमि
रायपुर भूमि

चिल्हर में मुनाफाखोरी का जमकर चल रहा खेल

थोक की तुलना में कीमत डेढ़ से दो गुना तक ज्यादा

100 का धनिया हो गया 300

आम आदमी को सबसे बड़ा झटका देने का काम चिल्हर कारोबारी कर रहे हैं। चिल्हर में कीमत पर कोई लगाम नहीं है। जिसकी जितनी मर्जी उतने दाम में कोई भी सामान बेच रहा है। एक ही सब्जी बाजार में एक ही सामान की कीमत अलग-अलग होना आम बात है। अचानक से हरा धनिया बहुत ज्यादा महंगा हो गया है। बीते माह धनिया थोक में जहां 50 से 60 रुपए किलो में बिक रहा था, वहीं चिल्हर में यह सौ रुपए तक बिक रहा था। कहीं 25 रुपए पाव तो कहीं 30 रुपए पाव कीमत थी, लेकिन एक ही माह के अंदर कीमत बढ़ते-बढते माह के अंत में 300 रुपए तक पहुंच गई। अब चिल्हर में इसकी कीमत 70 से 75 रुपए पाव हो गई है। जहां तक थोक का सवाल है तो थोक में इसकी कीमत 150 से 160 रुपए ही है।

लहसुन 400 पार, हरा धनिया 300 रुपए, जीरा 400 पर अटका, महंगाई का बड़ा झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

किचन के सामान की लगातार बढ़ती कीमतों ने घर का पूरा बजट ही बिगाड़कर रख दिया है। आम आदमी एक सामान की महंगाई से उबर भी नहीं पाता है कि दूसरा सामान महंगा हो जाता है। कई सामान महंगे होने के वास्तविक कारण होते हैं, लेकिन इसका फायदा उठाकर खासकर चिल्हर कारोबारी भारी मुनाफाखोरी कर रहे हैं। अब एक बार ⏭शेष पेज 13 पर

धनिया थोक में 150 से 160 रुपए

मप्र के छिंदवाड़ा से आने वाले धनिया की आवक फसल के खराब होने के कारण कम होने से कीमत थोक में 150 से 160 रुपए हो गई है।

- **टी. श्रीनिवास रेड्डी,** अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी विक्रेता संघ

फसल खराब होने से बढ़ी कीमत

लहसुन की फसल खराब होने के कारण कीमत बढ़ी है। प्रदेश में राजस्थान से लहसुन की आवक होती है, वहीं से ज्यादा कीमत में आने के कारण थोक में कीमत 300 रुपए हो गई है।

- **अजय अग्रवाल,** अध्यक्ष, भनपुरी आलू-प्याज संघ

खबर संक्षेप

एक माह से गायब युवक का कंकाल मिला

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक माह से घर से गायब युवक का पुलिस ने कंकाल बरामद किया है। युवक का शिनाख्त उसके कपड़े तथा कड़े से हुई। पुलिस के मुताबिक, आबकारी भवन के पीछे घनी झाड़ियों के बीच मिले कंकाल की पहचान लभांडी निवासी गोपी यादव के रूप में हुई है। पेशे से मजदूर गोपी 26-27 जुलाई को घर से गायब था। परिजनों ने 28 जुलाई को थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को आशंका है कि गोपी ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है।

सर्जिकल ब्लेड से हमला कर लूट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में शराब खरीदी करने के दौरान सर्जिकल ब्लेड से हमला कर लूट के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, उमेश्वर चौहान तथा एक अन्य पर सर्जिकल ब्लेड से हमला करने के आरोप में पंडरी निवासी शेर सिंह उर्फ शेरा को गिरफ्तार किया गया है। उमेश्वर ने पुलिस को बताया कि वह शराब दुकान में शराब खरीदने के लिए गया था। इसी दौरान शेर सिंह ने एक व्यक्ति के ऊपर सर्जिकल ब्लेड से हमला कर पैसा लूट लिया, विरोध करने पर शेर सिंह ने उमेश्वर के पेट में सर्जिकल ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया।

पार्किंग विवाद में दो लोगों पर चाकू से हमला

रायपुर। सरस्वती नगर थाने में एक महिला ने एक बदमाश के खिलाफ पार्किंग विवाद में चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, शिवबती साहू ने शंकर साहू के खिलाफ चाकू से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि बाइक पार्क करने के विवाद में शंकर ने उन लोगों के साथ विवाद किया। मौके पर डॉयल 112 की समझाइश के बाद शंकर जबरन घर में घुसकर महिला के भतीजा कृष्णा साहू तथा उमेश की जांघ पर चाकू से हमला कर दिया।

निगरानी के लिए नहीं बनी टीम, कई इलाकों में अव्यस्थित सिस्टम बढ़ाएगा मुसीबत

गणेशोत्सव के स्वागत द्वार और पंडालों में दब रहीं सड़कें, अभी से जाम के हालात

एनजीटी का निर्देश- किसी भी तरह के आयोजन में पंडाल और स्वागत द्वार बनाने से ट्रैफिक जाम न हो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि लाइव

राजधानी में इस साल भी गणेशोत्सव की धूम मचेगी। समितियों ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है, लेकिन प्रशासन ने अपनी तैयारी नहीं की है। यही वजह है कि कई इलाकों में पंडाल ऐसे लगाए जा रहे हैं कि आधी सड़क ही गायब हो चुकी है और अभी से जाम के हालात बनने लगे हैं। पंडाल और स्वागत द्वार बनाने में एनजीटी के नियमों को पूरी तरह अनदेखा किया जा रहा है। जाहिर है, उत्सव शुरू होने के बाद इन सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाएगा। चिंताजनक बात यह है कि बेतरतीब बन रहे पंडालों को व्यवस्थित कराने अब तक ⏭शेष पेज 13 पर

करेंगे पंडाल का निरीक्षण

शहर में ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए सभी थानों के टीआई को गणेश पंडाल के निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे गणेश पंडाल, जिसके चलते ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होगी। उसे ठीक कराया जाएगा। साथ ही गणेशोत्सव समितियों को वाहन पार्किंग के लिए जगह निर्धारित करने निर्देश दिए गए हैं।

- **लखन पटले,** एएसपी सिटी

बनाएंगे संयुक्त निगरानी टीम

एक-दो दिन में नगर निगम, जिला, पुलिस तथा यातायात प्रशासन की संयुक्त निगरानी टीम का गठन किया जाएगा। निगरानी टीम शहर के गणेश पंडालों का घूम-घूमकर निरीक्षण करेगी। जिन गणेश पंडालों की वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होगी, उसे ठीक कराया जाएगा।

- **यूएस अग्रवाल,** अपर आयुक्त, ननि

पार्किंग की भी व्यवस्था नहीं

समितियों को पंडाल के आसपास वाहन पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह रखने के लिए कहा गया है। शहर के कई बड़े गणेश पंडाल ऐसे हैं, जहां पार्किंग के लिए जगह ही नहीं है। इसके अलावा ज्यादातर गणेशोत्सव समितियों ने पंडाल लगाने के साथ पार्किंग के लिए अलग से व्यवस्था नहीं की है। इन सबकी निगरानी के लिए जिला, निगम तथा पुलिस प्रशासन की हर साल निगरानी टीम का गठन किया जाता है, लेकिन इस वर्ष निगरानी टीम का अब तक गठन नहीं किया गया है, जिसके चलते गणेशोत्सव समितियां अपनी सहूलियत के हिसाब से गणेश पंडाल लगाने तथा स्वागत, सजावट द्वार बना रही हैं।

गरियाबंद में एनआईए की दबिश, 9 ठिकानों पर जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभा चुनाव के दौरान गरियाबंद में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट मामले की जांच कर रही एनआईए की टीम शनिवार को नौ संदिग्धों के अलग-अलग ठिकानों पर जांच करने पहुंची। एनआईए ने संदिग्धों के ठिकानों से मोबाइल के अलावा कई इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए।

एनआईए द्वारा जारी बयान के मुताबिक, छापे की कार्रवाई नक्सलियों के संदिग्ध मददगारों के यहां की गई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 17 नवंबर को नक्सली संगठन सीपीआआई (माओवादी) ने मतदान कर्मी तथा सुरक्षाबलों की टीम को निशाना बनाते हुए आईईडी विस्फोट किया था। विस्फोट में आईटीबीपी एडहॉक 615 बटालियन का हेड कांस्टेबल शहीद हो गया था। एनआईए की टीम मैनपुर स्थित नक्सल प्रभावित छोटेगोबरा गांव में नौ संदिग्धों के घर तलाशी लेने पहुंची थी। नक्सली विस्फोट मामले की जांच एनआईए की टीम ने इस वर्ष मार्च में शुरू की थी। नक्सली विस्फोट मामले की जांच करने एनआईए की टीम पूर्व में जांच करने गरियाबंद, मैनपुर आ चुकी है।

- विधानसभा चुनाव के समय आईईडी विस्फोट में एक कांस्टेबल हुआ था शहीद

बीसीजी टीके का साइड इफेक्ट दुर्लभ, जांच के लिए राजधानी से जाएगी एक्सपर्ट कमेटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

दो बच्चों की मौत के मामले में जांच के लिए राजधानी से विशेषज्ञों की टीम बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड जाएगी। शिशुरोग और टीकाकरण अभियान से जुड़े चिकित्सकों का मानना है कि बीसीजी टीके से साइड इफेक्ट का मामला काफी दुर्लभ है। बच्चों की मौत किसी इंफेक्शन अथवा अन्य वजह से हो सकती है, जो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

कोटा विकासखंड के पटैता-कोरीपारा के आंगनबाड़ी केंद्र में हुए टीकाकरण के बाद शनिवार को दो बच्चों की हालत बिगड़ी और कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है, क्योंकि परिजनों द्वारा वैक्सीन लगाने के बाद हालत बिगड़ने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में जिला और संभागीय स्तर पर जांच चल रही है। शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. निलय मोझरकर के मुताबिक, बीसीजी टीके से साइड इफेक्ट का मामला अति दुर्लभ है, क्योंकि इस तरह की घटनाएं बहुत कम ही सामने आई हैं। इस बात की संभावना हो सकती है कि वैक्सीन लगाने के दौरान किसी तरह की चूक से बच्चे को इंफेक्शन हो गया हो, मगर यह सब कारण जांच के बाद ही स्पष्ट रूप से सामने आएंगे। अब तक की जानकारी में जिन दो बच्चों की मौत होना बताया जा रहा है, उनकी उम्र अलग-अलग है, इसलिए उन्हें एक टीका नहीं लगाया गया होगा।

- बिलासपुर के कोटा विकासखंड में दो बच्चों की मौत, कारणों की होगी जांच

टीकाकरण के बाद दो नवजात की मौत, दवाओं की बैच सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर/कोटा

- कोटा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटैता कोरीपारा की घटना

⏭शेष पेज 2 पर

जांच के बाद होगा स्पष्ट

इस बारे में राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वीआर भगत का कहना है कि मामले की वास्तविकता जांच के बाद स्पष्ट होगी। वैक्सीन की वजह से साइड इफेक्ट होने की संभावना काफी कम है। किसी भी प्रकार के टीके से दुष्प्रभाव की जांच के लिए कमेटी होती है, जो विभिन्न पहलुओं के आधार पर निष्कर्ष देती है। दोनों प्रकरण पहले जिला, फिर राज्य स्तर की कमेटी के सामने आएंगे, जिस पर चर्चा के बाद कारणों को स्पष्ट रूप में बताया जा सकता है। मामले की जांच जिलास्तर पर की जा रही है और राज्यस्तर पर टीम भी बिलासपुर भेजी जाएगी।

छुट्टी के दिन भी काउंसिलिंग, कम रही संख्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रविवार को अवकाश के दिन भी एमबीबीएस-बीडीएस प्रवेश के लिए कॉलेजों में काउसिलिंग की प्रक्रिया जारी रही। अवकाश होने की वजह से विद्यार्थियों की संख्या अभी कम है, मंगलवार से भीड़ बढ़ने की संभावना है। अभी ज्यादातर लोग अपने दस्तावेजों की जांच पूरी करवा रहे हैं। मेडिकल और डेंटल में यूजी सीटों पर प्रवेश के लिए दस्तावेजों की स्क्रूटनी और प्रवेश का काम 31 अगस्त से प्रारंभ हुआ है जो ⏭शेष पेज 13 पर

- कइयों ने कराई दस्तावेजों की जांच

625 अंक वाले को मैनेजमेंट कोटा

सरकारी की तरह निजी मेडिकल कालेजों में भी एडमिशन के लिए कड़ी टक्कर हैं। इस बार दो निजी मेडिकल कालेज में अनारक्षित वर्ग एवं सामान्य-महिला कोटे से 625 अंक वालों को सीट अलॉट की गई है। वहीं शासकीय डेंटल कालेज के लिए भी साढ़े पांच सौ से अधिक अंक की जरूरत पड़ी है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

अगस्त में 374 मिमी. बरसे बादल, सितंबर में वर्षा सामान्य रहने के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जुलाई की तरह अगस्त महीने में भी प्रदेश में पर्याप्त बारिश हुई है और कोटा सामान्य से तीन प्रतिशत अधिक की स्थिति में है। इस माह राज्य में 374 मिमी. बारिश हुई और सितंबर महीने में ग ति वि धि सामान्य रहने के आसार हैं। राज्य में जून से लेकर अगस्त तक 972 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है।

- तीन माह में 972 मिमी. बारिश, सामान्य से तीन फीसदी ज्यादा

पांच जिले नहीं उबर पाए

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में सरगुजा जिले में 315 मिमी. बारिश हुई। वर्तमान स्थिति में 40 फीसदी कमी के साथ 575 मिमी. वर्षा हो चुकी है। इस बार चिंता का विषय दुर्ग जिले में अल्पवर्षा से है, यहां 26 फीसदी कमी के साथ 598 मिमी.बारिश हुई है। कमी वाले जिलों में बेमेतरा, जशपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़ भी शामिल हैं।

रायपुर में आठ फीसदी कम

रायपुर जिले में पिछले कुछ समय से जोरदार बारिश नहीं हुई है। यहां कमी धीरे-धीरे आठ प्रतिशत माइनस हो चुकी है। जिले में 763 मिमी. वर्षा हुई है और यहां का सामान्य कोटा 1051 मिमी. बारिश का है। राज्य में सबसे ज्यादा बारिश बीजापुर, बलरामपुर, बलौदाबाजार, मुंगेली और सुकमा जिले में दर्ज की गई है।

चकल्लस

न्यायधानी के साथ अन्याय

बिलासपुर संभाग के साथ फिर प्रशासनिक अनदेखी हो गई। यहां पर फिर से प्रभारी अफसर को संभाग की जिम्मेदारी दे दी गई है। बिलासपुर में जहां भूमि संबंधी हजारों प्रकरण लंबित हैं, वहीं नियमित आयुक्त नहीं होने के कारण निराकरण में देर हो रही है। यहां पर भाजपा सरकार बनने के बाद केवल एक प्रकरण का निराकरण हुआ है। ऐसा प्रभारवाद के चलते हो रहा है। पिछली बार भी प्रभारवाद के चलते ऐसा हुआ। लोगों को कहना है कि न्यायधानी के साथ पिछली सरकार ने न्याय नहीं किया। अब इस सरकार में न्याय कब मिलेगा, देखने वाली बात है।

बिन न्योते के तैयार

राजधानी में बीते दिनों खेल अलंकरण समारोह हुआ। बड़े धूमधाम और जोर-शोर से कार्यक्रम की तैयारी हुई। सभी अपने-अपने स्तर पर तैयारी में व्यस्त थे। एक पूर्व मंत्री ने भी अपनी तैयारियां शुरु कर दी। साहब ने बकायदा दर्जी बुलावाया। अपना नाप दिया और पूरी तरह तैयार हो गए। मतलब फुल ड्रेस कोड में। लेकिन खेला हो गया। आयोजन के पहले तक उन्हें न्योता ही नहीं दिया गया। क्यों नहीं बुलाया, किस वजह से नहीं बुलाया, इसकी तह तक जाने के लिए पूर्व मंत्री अब तक प्रयास कर रहे हैं। खबरी का कहना है कि आपसी खींचतान का मामला है। वरना उन्हें बुलाया तो जाना ही था।

लोहे का हाथ पिघल गया

सनी पाजी की घातक फिल्म तो देखी ही होगी आपने। एक डॉयलाग कालजयी है-यह मजदूर का हाथ है कात्या, लोहा पिघलाकर उसका आकार बदल देता है। खैर...मजदूर का काम ही है लोहा पिघलाकर आकार बदलना। लेकिन मालिकों ने यह कोशिश की थी। बिजली की कीमतों का टेरिफ बदलवाकर बिल का आकार छोटा करने का प्रयास किया था। लेकिन सरकार, सरकार होती है। निजी क्षेत्र से बिजली लेने की धमकी भी दी गई, लेकिन किसी भी तरह की राजनीति काम नहीं आई और अंत में उद्योगों को ही नतमस्तक होना पड़ा और महज आश्वासन पर ही उद्योग प्रारंभ कर दिए गए। अब तो उद्योग वाले शांत भी बैठ गए हैं। एक उद्योगपति जो सबसे ज्यादा नेतागिरी कर रहे थे, उनको तो प्रदेश के एक मंत्री से जमकर फटकार भी पड़ी, इसके बाद भी वे नेतागिरी करने से बाज नहीं आ रहे थे, लेकिन अब उनकी नेतागिरी भी बंद हो गई है। लोहा पिघल गया है।

दक्षिण की दक्षिणा ...

वैसे तो आमतौर पर पूजा-पाठ के समय पंडित को दक्षिणा देने का चलन है, पर कलयुग में दक्षिण की दक्षिणा का भी विधान है। ये बात भले ही कम लोगों को पता हो, पर खबरीलाल को भनक लगी कि शहर में ऐसा हो रहा है। इलेक्शन के पहले अपने चहेते मेंबरों को खुश करने नेताजी भूमिपूजन के बहाने दक्षिणा बांट रहे हैं। ये दक्षिणा सिर्फ खास मेंबरों के इलाके के लिए है। अपोजिशन वाले तो फंड के लिए टेसुए बहाते थक नहीं रहे। उनका कहना है कि जनता के पास कौन-सा मुंह लेकर जाएंगे। दक्षिण के दक्षिणा वालों ने तो उन्हें कहीं का नहीं छोड़ा।

बॉडी बिल्डर साहब की एंट्री ...

नक्शा-खसरा वाले महकमे में पुराने साहब के ट्रांसफर और नए साहब के एंट्री की चर्चा खूब हो रही है। बॉडी-शॉडी बनाने वाले साहब एक समय में दबंग के चुलबुल पांडे वाले अंदाज में तोड़दस्ते के इंचार्ज हुआ करते थे। मजाल है कि उनके सामने कोई चूं-चपड़ करे, पर शिकायत करने वाले कहां चूकते हैं, सो किसी ने ऊपर तक उनके खिलाफ कान भर दिए। बेचारे को लूप लाइन में जाना पड़ा। अब वही बएॅडी बिल्डर साहब फिर से धमाका करने कॉर्पोरेशन आ रहे हैं। गलियारों में चर्चा है कि एग्रेसिव मूड वाले साहब इस बार कूल-कूल रहकर दिमाग दौड़ाएंगे।

भुक्तिभुक्त करण...

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था सुधारने के लिए सरकार ने यह कोशिश की थी कि जिन स्कूलों में टीचरों की संख्या सेटअप से अधिक है, ऐसे अतिरिक्त टीचरों के हटाकर दूसरे स्कूलों में भेजा जाए, जहां टीचरों की कमी है, लेकिन शिक्षकों, कर्मचारियों के संगठनों ने इतना कड़ा विरोध जताया कि आदेश ठंडे बस्ते में डालना पड़ा। इस मामले में ये बात भी सामने आई है कि दरअसल आने वाले कुछ महीनों में नगरीय निकायों के चुनाव है। भाजपा के आशंका हो गई कि कहीं विरोध के कारण चुनाव में गड़बड़ी न हो जाए। शिक्षा विभाग के बैकफुट पर आने से युक्तियुक्तकरण तो नहीं हुआ, लेकिन अब पालकों को चिंता है कि उनके बच्चों को भुगतना पड़ेगा। उनके लिए ये मामला भुक्तिभुक्त करण का हो गया है।

एक को जीवनदान, कई खतरे में

छत्तीसगढ़ में लगातार हरियारी बनी कांग्रेस पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष को हटाने की खबरों अफवाहों से पार्टी के अंदर कई दिनों से बेचैनी थी, लेकिन राज्य प्रभारी ने अब अध्यक्ष को फ्री हैंड देते हुए कहा है कि कार्यकारिणी का विस्तार करें। नए लोगों को शामिल करें और तीन से पांच साल से कायम जिला अध्यक्षों को हटाएं। प्रभारी के इस फैसले के साथ ही अध्यक्ष को तो नया जीवनदान मिल गया है, लेकिन इस फैसले से कई नेताओं की कुर्सी खतरे में आ गई है। उनके रहते कांग्रेस पार्टी लगातार चुनाव हारते हुए हरियारी पार्टी बन गई है।

अस्पतालों में जय ओडिशा

भगवान जगन्नाथ की जय तो पूरी दुनिया बोलती है। जगत के नाथ हैं, सबका पालन वही करते हैं। लेकिन छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटल चलाने वाले जय ओड़िसा का नारा लगा रहे हैं।मतलब अगर ओड़िसा न हो तो उनका तो घर चलाना मुश्किल हो जाएगा। गाड़ियों में भरकर ओड़िसा से मरीज लाए जा रहे हैं। आयुष्मान योजना की तर्ज पर बीजू कार्ड से इलाज कर रहे हैं। हाल यह है कि रायपुर के दर्जनभर अस्पतालों के आधे से ज्यादा बिस्तर ओड़िसा के मरीजों से ही भरे होते हैं। उन्हें लाने और ले जाने के लिए डॉक्टरों ने गाड़ी और ड्राइवर की व्यवस्था कर रखी हैं, उन्हें लाकर कहते हैं तुम इलाज कराओ, जाओ, बाकी हम और ओड़िसा सरकार देख लेंगे।

सर्जरी वालों के हाथ में कमान

आंबेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक जल्द ही बदलने के आसार बन रहे हैं। पिछले दिनों स्वशासी समिति की बैठक में आला अधिकारियों के रूखे व्यवहार से इसके संकेत मिल रहे हैं। अब तक चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष के हाथ में थी, आने वाले दिनों में यह कमान जनरल सर्जरी करने वाले डॉक्टर को सौंपने की चर्चा है और इस संबंध में आदेश जारी करने का इंतजार किया जा रहा है। साथ ही मेडिकल कॉलेज डीन के बदलने की खबर भी गर्म है। कॉलेज और अस्पताल से जुड़े लोगों की धड़कनें इसलिए बढ़ी हुई हैं, क्योंकि जिन्हें मेडिकल कॉलेज के डीन का दावेदार माना जा रहा है, उन सीनियर डॉक्टर का विवादों से गहरा नाता रहा है।

नहीं जाएंगे दूसरे कॉलेज

सालों से रायपुर मेडिकल कॉलेज में सेवा देते हुए अपनी धाक जमा चुके चिकित्सा शिक्षकों का बीपी पिछले दिनों जारी आदेश के बाद हाई हो चुका है। विभागीय स्तर पर ऐसे डॉक्टरों की जानकारी जुटाई जा रही है, जिन चिकित्सकों को दूसरे कालेज भेजे जाने की संभावना अधिक है उनकी उपस्थिति बंगले में नजर आ चुकी है। अपने सोर्स और माध्यम की मदद से कई डॉक्टर इस बात की गुहार लगाकर आ चुके हैं कि उन्हें दूसरे मेडिकल कॉलेज नहीं जाना है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा

अब शराब निर्माताओं से राज्य सरकार ने शुरू की सीधी खरीदी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने अब सीधे निर्माताओं से शराब की खरीदी शुरू कर दी है। बताया गया है कि करीब 60 कंपनियों को पीओ (परचेस आर्डर) भी जारी कर दिए हैं। सरकार ने राज्य में शराब बिक्री की नई व्यवस्था को लागू करते हुए शराब की नई दरें तय करने के साथ उसे लागू भी कर दिया है। हालांकि जानकारों का कहना है कि पहले के मुकाबले रेट में आंशिक बदलाव आया है। आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की शेष अवधि 1 सितंबर 2024 से 31 मार्च 2025 तक के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में विदेशी मदिरा की आपूर्ति के लिए विदेशी मदिरा के विनिर्माता, प्रदायकर्ता इकाईयों द्वारा रेट ऑफर में प्रस्तुत किए गए (लैंडिंग प्राइज) एवं सीएसबीसीएल क्रय दर का प्रशासकीय अनुमोदन किया है।

एफएल 10 लायसेंसधारियों से खरीदी बंद, नया सिस्टम लागू

60 कंपनियों से हुआ है एग्रीमेंट

आबकारी विभाग ने सीधे निर्माताओं से शराब खरीदी के लिए निर्माताओं से रेट ऑफर मंगाए थे, रेट ऑफर को मंजूरी के बाद अब संबंधित कंपनियों से शराब खरीदने के लिए परचेस ऑर्डर भी जारी होने शुरू हो गए हैं। बताया गया है कि देशभर में प्रमुख शराब निर्माता कंपनियों के साथ बेवरेज कॉर्पोरेशन का अनुबंध (एग्रीमेंट) हो चुका है। यानि नई व्यवस्था के हिसाब से शराब खरीदी शुरु कर दी गई है। कोशिश ये भी रहेगी कि सरकारी शराब दुकानों में ग्राहकों की मांग के अनुरूप सभी ब्रांड उपलब्ध हों। दरअसल पिछले दिनों बिलासपुर जिले की कई शराब दुकानों की जांच में ये बात सामने आई थी कि ग्राहकों के लिए मनपंसद ब्रांड नहीं हैं, इसकी वजह से बिक्री कम और राजस्व प्रभावित हो रहा है।

इन कीमतों पर मिलेंगे ये ब्रांड(750 एमएल)

सॉलिडर डीलक्स थ्री एक्स रम - 2592
वाइट रैबिट ट्रिपल डिस्टाइल्ड वोदका- 2592
एम्पायर प्रीमियम माल्ट व्हिस्की - 1725
आईकॉन प्रीमियम व्हिस्की - 1425
रॉयल पैसन प्रीमियम माल्ट व्हिस्की - 3321
गोल्फर शॉट बैरल एज्ड व्हिस्की - 5229
ओल्ड स्मगलर ब्लैंडेड स्कॉट व्हिस्की - 11402
वाइट एंड ब्लु प्रमीमियम व्हिस्की- 3377

एफएल 10 लायसेंस समाप्त, अब सीधी खरीदी

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार ने पिछले दिनों हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में एक बड़ा फैसला लेते हुए राज्य में जारी सभी एफएल 10 लायसेंस निरस्त कर दिए थे। ये एफएल 10 लायसेंस उन लोगों को जारी किए जाते थे, जो शराब निर्माता कंपनियों से शराब खरीदी करके राज्य सरकार को सप्लाई किया करते थे। ये लायसेंस निरस्त होने के बाद सरकार ने सीधे शराब निर्माताओं से शराब खरीदी शुरू कर दी है। इस बदलाव के पीछे ये वजह बताई गई है कि बिचौलियों यानी एफएल 10 लायसेंस धारी से शराब खरीदने में कीमत अधिक लगती थी।

घर की छत पर बिजली उत्पादन में प्रदेश के उपभोक्ताओं की ज्यादा रुचि नहीं

पीएम सूर्य योजना को तगड़ा झटका, टार्गेट 25 हजार, अर्जियां 6200, लगे सिर्फ 312

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में प्रदेश में एक साल में 25 हजार घरों में सोलर पैनल से बिजली उत्पादन करने का लक्ष्य तय किया गया है। पांच माह में जहां 63 सौ आदेवन आए हैं, वहीं महज 312 घरों की छतों पर ही सोलर पैनल लगाकर बिजली का उत्पादन प्रारंभ किया गया है। प्रदेश में ज्यादातर बिजली उपभोक्ताओं की खपत 300 यूनिट होने और प्रदेश सरकार द्वारा 400 यूनिट बिजली की खपत में बिजली बिल हाफ योजना के कारण उपभोक्ता ज्यादा रुचि नहीं ले रहे हैं।

केंद्र सरकार ने घरों की छतों पर बिजली उत्पादन की योजना बनाई है। देशभर में एक करोड़ से ज्यादा घरों की छतों पर बिजली उत्पादन का लक्ष्य सोलर पैनल के माध्यम से रखा गया है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से सब्सिडी भी मिल रही है। हर राज्य के लिए अलग-अलग लक्ष्य रखा गया है। जहां पर छत्तीसगढ़ का सवाल है तो यहां के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष में 25 हजार घरों को रोशन करने का लक्ष्य रखा है। इन घरों में एक से तीन किलोवाट तक क्षमता के सोलर संयंत्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे लोग अपने घर की छतों पर तीन किलोवाट के संयंत्र से हर महीने 300 यूनिट बिजली का उत्पादन कर पाएंगे।

रुचि न होने का बड़ा कारण

जानकारों का कहना है कि सोलर पैनल से बिजली उत्पादन में उपभोक्ताओं की ज्यादा रुचि न होने का कारण यह है कि प्रदेश के 55 लाख से ज्यादा घरेलू बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 50 लाख उपभोक्ताओं की बिजली की खपत 300 यूनिट से कम है। 20 लाख से ज्यादा बीपीएल उपभोक्ताओं की बिजली की खपत हर माह महज सौ यूनिट है। सबसे बड़ी बात प्रदेश सरकार 400 यूनिट तक बिजली की बिल हॉफ करती है। ऐसे में उपभोक्ताओं को बिजली सस्ती पड़ती है।

कम आवेदनों के कारण चिंता

प्रदेश में इस योजना में अप्रैल से अब तक 6368 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 6216 उपभोक्ताओं के घरों को संयंत्र लगाने के लिए उपयुक्त पाया गया है। अभी तक 312 घरों में संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है। बाकी में संयंत्र लगाने की प्रकिया चल रही है। संयंत्र लगाने के लिए सौ से ज्यादा वेंडर हैं। अब तक कम आवेदनों के कारण पॉवर कंपनी को अपने लक्ष्य को लेकर चिंता है। यही वजह है कि कुछ दिनों पहले ही छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीमसिंह कंवर ने मुख्यालय स्थित सेवाभवन में पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सभी 18 वृत्तों के अधीक्षण अभियंताओं को निर्देशित किया कि इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करें। योजना में एक किलोवाट के संयंत्र पर 30 हजार रुपए, 2 किलोवाट के संयंत्र पर 60 हजार और 3 किलोवाट पर 78 हजार रुपए की केंद्र सरकार से सब्सिडी मिल रही है। इसी के साथ राज्य सरकार की सब्सिडी अलग है। एक किलोवाट सौर संयंत्र से प्रतिदिन 4 यूनिट तक औसत बिजली उत्पादन होता है। तीन किलोवाट में प्रतिदिन 12 यूनिट बिजली पैदा होती है।

झारखंड चुनाव के लिए छग के मंत्रियों, सांसद, विधायक और प्रदेश के नेताओं को बड़ा जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

झारखंड में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से भाजपा के राष्ट्रीय संगठन ने दूसरे राज्यों के नेताओं को चुनावी समर में झोंकने का फैसला कर लिया है। छत्तीसगढ़ के भी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों के साथ प्रदेश भाजपा के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। एक बार प्रदेश के नेता झारखंड का दौरा करके आ चुके हैं। अब 9 सितंबर से फिर से दौरा होगा। इस बार लंबे समय तक नेता वहां पर रहकर चुनावी रणनीति बनाने में झारखंड राज्य के नेताओं की मदद करेंगे। चुनाव तक प्रदेश के नेता झारखंड में रहेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन का फोकस इस बार झारखंड पर है। भाजपा की रणनीति इस बार झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने की है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 81 में से 51 विधानसभाओं में जीत मिली थी, ऐसे में भाजपा की तैयारी इस बार विधानसभा के चुनाव में बहुमत प्राप्त कर सरकार बनाने की है। इसके लिए अभी से तैयारी की जा रही है। छत्तीसगढ़ के भी नेताओं को झारखंड का जिम्मा दिया गया है। यहां से जिन नेताओं को वहां का जिम्मा दिया गया है, उनमें प्रमुख प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा, प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, केंद्रीय मंत्री और बिलासपुर के सांसद तोखन साहू, राजनांदगांव के सांसद संतोष पांडेय, दुर्ग के सांसद विजय बघेल, प्रदेश के नेता भूपेंद्र सवन्नी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण सिंह चंदेल, विधायक भावना बोहरा के साथ प्रदेश के कई नेता और विधायक भी शामिल हैं। सभी को अलग-अगल विधानसभाओं का जिम्मा दिया गया है। जैसे केंद्रीय मंत्री तोखन साहू को दो जिलों की चार विधानसभा का जिम्मा मिला है। इसी तरह से अन्य मंत्रियों, सांसदों, विधायकों को भी अलग-अलग विधानसभाओं का जिम्मा दिया गया है।

■ 9 सितंबर से जुटेंगे विधानसभा चुनाव में

महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं के खाते में राशि का अंतरण करेंगे

मुख्यमंत्री निवास में आज मचेगी तीजा-पोरा की धूम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निवास पर सोमवार को छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपरा के प्रतीक तीजा-पोरा तिहार के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से एक-एक हजार रुपए अंतरित करेंगे। सुबह 11 बजे होने वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े अति विशिष्ट अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप, ओपी चौधरी, दयालदास बघेल, लखनलाल देवांगन, टंकराम वर्मा, श्याम बिहारी जायसवाल, रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित विधायक राजेश मूणत, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, इंद्रकुमार साहू और गुरु खुशवंत साहेब शामिल होंगे।

साक्षरता सप्ताह की शुरुआत प्रभात फेरी और रैली निकाली

रायपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार को पूरे प्रदेश में देशव्यापी साक्षरता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। प्रदेश के सभी जिलों में उल्लास साक्षरता रथ को हर्षोल्लास से रवाना किया गया और साथ ही विभिन्न स्थानों पर प्रभात फेरी और उल्लास साक्षरता रैली का आयोजन किया गया। स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा असाक्षरों को साक्षर करने के उद्देश्य से उल्लास शपथ भी दिलाई गई। इस आयोजन में जनप्रतिनिधियों, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष, कलेक्टर, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष, प्रमुख नागरिक, और साक्षरता से जुड़े अधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदेश के कई स्थानों पर उल्लास साक्षरता संबंधी नारों का दीवारों पर लेखन भी किया गया। इसके अलावा, 2 सितंबर को साक्षरता पर केंद्रित गीत, नृत्य, पेंटिंग, और रंगोली जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस साक्षरता सप्ताह का उद्देश्य प्रदेश के हर कोने में साक्षरता की अलख जगाना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को सफल बनाना है।

भाजयुमो को दिया गया सात लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने बताया, सदस्यता अभियान में मोर्चा को सात लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए भाजयुमो को प्रत्येक जिले में भाजपा संगठन द्वारा प्रत्येक मंडल से 5-5 बूथ दिए जाएंगे। प्रत्येक बूथ में 200 सदस्य बनाने हैं।

श्री भगत ने रविवार को एकात्म परिसर में पत्रकारों से चर्चा हुए बताया, पहले चरण में 6 से 17 सितंबर तक प्रत्येक बूथ में सदस्य बनाए जाएंगे। दूसरे चरण में ग्राम, वार्ड, मोहल्ला व विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय आदि स्थानों पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक जिला इकाई को सदस्यता का लक्ष्य प्रदान किया जाएगा। सदस्यों से मिस्ड कॉल के साथ ही फिजिकल फार्म भी भराया जाएगा, जिससे मिस्ड कॉल की जानकारी दिल्ली कार्यालय पहुंच जाएगी और फिजिकल फार्म का डाटा प्रदेश व स्थानीय जिला कार्यालय के पास रहेगा। सदस्यता अभियान को और सरल बनाने नमो एप सरल पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन सदस्य बना जा सकता है। श्री भगत ने कहा, सदस्यता अभियान के लिए प्रदेश, जिला, मंडल और बूथ स्तर पर समितियों की गठन किया गया है। इस अभियान के प्रभारी के रूप में रितेश मोहरे प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी), गौरी गुप्ता सहप्रभारी, अभिषेक प्रदेश मंत्री बिलासपुर, प्रताप सिंह प्रदेश सहप्रशिक्षण प्रभारी सरगुजा, सहप्रभारी लक्ष्मण झा सहप्रशिक्षण प्रभारी बस्तर बनाए गए हैं।

■ हर मंडल के 5-5 बूथों में बनाने होंगे 200-200 सदस्य

कांग्रेस का आरोप- प्रदेश में हर दिन गैंगरेप

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 9 माह की भाजपा सरकार के राज में छत्तीसगढ़ में महिलाए असुरक्षित हो गई हैं। इससे बड़ा दुर्भाग्यजनक क्या हो सकता है कि राजधानी में भी महिलाए सुरक्षित नहीं हैं। बस्तर, जशपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर से लेकर राजधानी रायपुर में भी महिलाए खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। बेहद दुर्भाग्यजनक है कि सरकार का जिन मामलों को गंभीरता से लेकर कार्रवाई करानी चाहिए, वह बलात्कार जैसी घटनाओं को भी छिपाने और अपराधियों को बचाने का काम कर रही है। अभी तक 8 माह में प्रदेश में महिलाओं के प्रति 3094 अपराध हुए हैं तथा 600 से अधिक बलात्कार की घटनाए हुई हैं। राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने कहा, रोज-रोज प्रदेश में कहीं न कहीं सामूहिक बलात्कार की घटना हो रही है। महिलाएं खुले में बाहर निकलने में भय महसूस कर रही हैं। बेहद दुर्भाग्यजनक है कि बंगाल की घटना पर प्रतिक्रिया देने वाले भाजपाई छत्तीसगढ़ में 4 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी पर मौन है। हमने इस संबंध में ज्ञापन सौंपने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी समय मांगा है। इस मामले में कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि हम अपनी बहन, बेटियों की रक्षा की लड़ाई लड़ेंगे, आंदोलन करेंगे।

■ 9 माह के भाजपा राज में महिलाएं असुरक्षित : बैज

कांग्रेस कर रही ओछी राजनीति

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने दुराचार-दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर कांग्रेस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया है। श्री श्रीवास्तव ने कहा, प्रदेश की कानून-व्यवस्था और दुराचार की घटनाओं को लेकर रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारवार्ता में जिस तरह घड़ियाली-विलाप किया है, वह कांग्रेस के पाखंडपूर्ण राजनीतिक चरित्र के शर्मनाक प्रदर्शन से अधिक कुछ नहीं है। कांग्रेस नेताओं को पहले अपने शासनकाल की कलंक-कथाओं पर नजर डाल लेनी चाहिए।

शिवाजी नगर में बनेगा सामुदायिक भवन

भवन, गार्डन, रंगमंच के लिए फोड़े नारियल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने कोटा और खमतराई क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन कर क्षेत्र के रहवासियों से कहा कि विकास कार्यों के लिए पैसों की कमी नहीं होने देंगे। रविवार को जोन-7 के शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड में पहुंचकर उन्होंने 75 लाख रुपए की स्वीकृत लागत से नए विकास कार्य जल्द प्रारंभ कराने भूमिपूजन किया।

बृजमोहन ने किया 6 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रविवार को रावतपुरा, काठाडीह बीएसयूपी में 6 करोड़ 46 लाख की लागत से विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड में 14 विभिन्न स्थानों पर विकास कार्यों की शुरुआत करते हुए श्री अग्रवाल ने जोन-6 के अधिकारियों को नए विकास कार्य समयसीमा के भीतर गुणवत्ता को ध्यान में रखकर पूरा कराने निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

125 शैक्षणिक संस्थानों में ग्रीन आर्मी की प्रशिक्षण कार्यशाला

रायपुर। ग्रीन आर्मी संस्थान द्वारा शनिवार को पर्यावरण संरक्षण विषय पर 125 स्कूल-कॉलेजों में प्रशिक्षण दिया गया। संस्था द्वारा युवाओं की पर्यावरण संरक्षण में क्या भूमिका हो, वे किस प्रकार से पढ़ाई करते-करते भी पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं, इस विषय पर वृहद पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यशाला वंदेमातरम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रायपुर समेत संपूर्ण छत्तीसगढ़ स्तर पर आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य रूप से रायपुर शहर के 110 स्कूल-कॉलेजों एवं अन्य जिलों से 15 शैक्षणिक संस्थानों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें मुख्य रूप से रायपुर नगर के सभी प्रमुख कॉलेजों दुर्गा कॉलेज, छत्तीसगढ़ मैक कॉलेज, पैलोटी कॉलेज, प्रगति कॉलेज, मैट्स पंडरी, हरिशंकर कॉलेज, डिग्री गर्ल्स कॉलेज, गुरुकुल कॉलेज, कोलंबिया, शासकीय स्कूल गोगांव, न्यूटेक पब्लिक स्कूल, गैलेक्सी पब्लिक स्कूल, शासकीय हाईस्कूल बोरिया, प्रांजल हाईस्कूल बोरिया, आत्मानंद स्कूल गोगांव, राधाकृष्ण स्कूल, अम्लेश्वरडीह सहित 125 शैक्षणिक संस्थानों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वाणिज्य और उद्योग महासंघ ने किया सम्मानित

रायपुर। छत्तीसगढ़िया वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ की ओर से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की कविता कुंभज (डायरेक्टर), राहुल कुम्भज (डायरेक्टर, अम्लेश्वर ब्रांच) को विशेष रूप से व्यापार मंत्री लखनलाल देवांगन द्वारा कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मेहनत और सफलता के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में प्रदेशभर से व्यापारी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वाणिज्य, व्यापार एवं श्रम मंत्री, अति विशिष्ट अतिथि खेल मंत्री टंकराम वर्मा, दुर्ग सांसद विजय बघेल, विशिष्ट अतिथि विधायक मोतीराम साहू, कुलपति सच्चिदानंद शुक्ला और कुलसचिव शैलेंद्र पटेल रहे।

सीएम से मिला ब्राह्मण महासभा का प्रतिनिधिमण्डल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में गत दिनों छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के प्रतिनिधि मण्डल ने सौजन्य मुलाकात की। इसी दौरान सदस्यों ने शॉल, श्रीफल और प्रतीक चिह्न देकर मुख्यमंत्री को सम्मानित किया। सचिव सुरेश मिश्र ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ में एकमात्र विश्वविद्यालय था, 62 कॉलेज उस समय हुआ करते थे, जिनके अध्यक्ष हमारे समाज के सदस्य थे। इस कार्यक्रम के संयोजक पं. अंजय शुक्ल थे। मुलाकात करने वालों में पं. अरूण शुक्ल, निशा अवस्थी, पं. सुरेश मिश्र, पं. रज्जन अग्निहोत्री, गौरव शुक्ल, पं. अजीत बाजपेयी आदि उपस्थित रहे।

निधन

राजेंद्र तांडी

रायपुर। न्यू शांति नगर गोरखा कॉलोनी निवासी राजेंद्र तांडी का 31 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शंकरनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे घनश्याम तांडी के पिता थे।

मयखाने का शटर बाहर से बंद, अंदर चल रही थी शराब पार्टी, पुलिस की दबिश

वीआईपी रोड स्थित क्लबों में देर रात पार्टी होने की शिकायत के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वीआईपी रोड स्थित संचालित पब, कैफे, होटल तथा बार में देर रात तक शराबखोरी की शिकायत के बाद एसएसपी के निर्देश पर शनिवार देर रात एएसपी अनुराग झा, सीएसपी अमन झा एसपी क्रैक टीम लेकर छापा मारने पहुंचे। जांच के दौरान पुलिस ने देखा कि आधा दर्जन संस्थानों में लोगों को तय समय बाद भी शराब परोसी जा रही थी। पुलिस ने देर रात शराब परोसने वाले 23 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस दौरान वीआईपी रोड स्थित फिल इन द ब्लैंक के संचालक सादिक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। संचालक पर आरोप है कि समय तय समय के बाद वह अपने रेस्टोरेंट को बाहर से बंद कर अंदर में लोगों को शराब परोस रहा था।

■ एसएसपी देर रात गश्त पर निकले तो हुआ खुलासा

पुलिस जब रेस्टोरेंट पर कार्रवाई करने पहुंची, तब रेस्टोरेंट संचालक ने पुलिस का वीडियो बनाकर आरोप लगाया कि पुलिस ने जानबूझकर पौने 12 बजे उसका रेस्टोरेंट खुलवाकर फर्जी कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, रेस्टोरेंट संचालक को पूर्व में भी तय समय के बाद रेस्टोरेंट संचालित नहीं करने की चेतावनी दी गई थी। चेतावनी के बावजूद बाहर से रेस्टोरेंट बंद कर अंदर से लोगों को शराब परोसी जा रही थी।

एसएसपी पहुंचे थानों की जांच करने

इस दौरान एसएसपी संतोष सिंह माना, गंज, क्राइम ब्रांच तथा सिविल लाइंस थाने पहुंचे। साथ ही एसएसपी नाइट पेट्रोलिंग, पंडरी बस स्टैंड और अन्य चेक पॉइंट का जायजा लिया। इसके पूर्व एसएसपी के निर्देश पर वीआईपी रोड पर एक विशेष एसपी क्रैक टीम द्वारा अधिकृत समय से ज्यादा देर तक खुले बार और रेस्टोरेंट को चेक किया गया। ऐसे कई होटल व रेस्टोरेंट फ्लोरेंस, शीतल जूक, देशी ठाट, एफटीबी, स्काई लाउंज के मैनेजर और अन्य को अवैधानिक कार्यों में लिप्त पाए जाने पर उनके खिलाफ आबकारी एक्ट और प्रतिबंधात्मक धाराओं के कार्रवाई की गई।

पूर्ववर्ती सरकार ने एक रुपए टोकन मनी पर जमीन देने आदेश किया था पारित

निगम ने 12 इलाकों में टोकन पर जमीन तो ले ली, पर सालभर में रजिस्ट्री नहीं करा पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

रायपुर नगर निगम के बाजार विभाग को भूपेश बघेल की सरकार ने एक रुपए टोकन मनी पर दर्जनभर जगहों पर जमीन देने के प्रस्ताव को मंजूरी देकर आदेश पारित किया था। सालभर बीतने के बाद भी नगर निगम इन जमीनों को अपने नाम नहीं करा पाया है। नजूल की इन जमीनों की रजिस्ट्री को लेकर विभाग के आला अफसर का तर्क है कि उन्हें अब तक डिमांड नोट नहीं मिला, इसलिए दर्जनभर लोकेशन की जमीन निगम के नाम नहीं करा पाए।

दरअसल बाजार विभाग ने 21 जगहों पर जमीन के लिए राज्य शासन के पास प्रस्ताव भेजा गया था। पूर्ववर्ती सरकार ने एक रुपए टोकन मनी पर 12 जगहों पर जनहित से जुड़े कार्यों के लिए प्रस्ताव को मंजूरी दी। जबकि अन्य 9 जगहों पर जमीन देने संबंधी प्रस्ताव खारिज हुआ।

इन क्षेत्रों की जमीन

■ खमतराई मटन मार्केट -	2507 वर्गफीट
■ खमतराई बेस्ट प्राइज के पीछे रिंगरोड नंबर 2-	8100 वर्गफीट
■ खमतराई अ -	2678 वर्गफीट
■ खमतराई -	140 वर्गफीट
■ ग्राम खमतराई -	64.4 वर्गफीट
■ भनपुरी-	17,063 वर्गफीट
■ डगनिया बाजार रोड -	5960 वर्गफीट
■ रायपुर खास -	28347 वर्गफीट
■ डूमरतालाब पौनी पसारी महोबाबाजार -	21,780 वर्गफीट

इन जमीनों का प्रस्ताव खारिज

- आमापारा स्थित आरडी तिवारी स्कूल
- नेताजी सुभाष स्टेडियम
- मालवीय रोड स्थित जवाहर बाजार
- कंकाली हास्पिटल
- मिलेनियम प्लाजा
- शास्त्री बाजार
- गांधी मैदान कांजी हाउस
- पुराना बस स्टैंड
- अश्वनी नगर

करोड़ों की जमीन निगम के नाम नहीं हो पाई

शहर के आधा दर्जन से ज्यादा इलाकों में करोड़ों की जमीन नगर निगम के नाम नहीं हो पाई है। महापौर एजाज ढेबर की परिषद ने जवाहरबाजार, शास्त्री बाजार, गांधी मैदान कांजी हाउस और पंडरी के पुराना बस स्टेंड की जमीन के संबंध में प्रस्ताव बनाकर मंजूरी के लिए राज्य शासन के पास भेजा। पर निगम के इस प्रस्ताव को पूर्ववती सरकार से मंजूरी नहीं मिल पाई। नई सरकार आने के बाद अब तक पॉश इलाके की जमीन को नगर निगम के नाम कराने प्रस्ताव नहीं बन पाया है। ऐसे में करोड़ों की जमीन निगम के नाम नहीं हो पाई।

■ पॉश इलाकों की करोड़ों की जमीन

फ्री होल्ड नहीं हो पा रहा जवाहर बाजार

मालवीय रोड की प्राइम लोकेशन पर स्थित नवनिर्मित जवाहर बाजार परिसर के कारोबारी अपने दुकानों को फ्रीहोल्ड कराने निगम प्रशासन के पास आवेदन दे चुके हैं। पर नगर निगम इसे फ्रीहोल्ड नहीं कर पा रहा । इसकी एक बड़ी वजह नगर निगम के नाम यह जमीन नहीं चढ़ पाना है। इस बाजार में 69 दुकानें व्यवस्थापन के तहत ऐसे व्यवसायियों को आवंटित की गई है। जो पीढ़ी दर पीढ़ी एक अरसे से जवाहर बाजार में अपनी आजीविका चला रहे हैं। ऐतिहासिक जवाहर बाजार शहर के मध्य में होने के साथ ही कारोबार का प्रमुख केन्द्र भी रहा है।

इसलिए रजिस्ट्री नहीं करा पाए

एक रुपए टोकन मनी में राज्य शासन ने दर्जनभर जगहों पर जमीन देने के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए इन जमीनों को नगर निगम के नाम करने आदेश दिया था, पर अब तक निगम को डिमांड नोट नहीं मिलने से इसकी रजिस्ट्री नहीं हो पाई। फ्री होल्ड कराने और पटवारी रिकार्ड के लिए यह जरूरी है।

- डॉ. आर.के डोंगरे
उपायुक्त बाजार विभाग, ननि रायपुर

योगेश अध्यक्ष, निलेश बने उपाध्यक्ष, छात्रावास अधीक्षकों की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, सप्रे शाला परिसर स्थित कर्मचारी भवन में रविवार को छत्तीसगढ़ आश्रम अधीक्षक संघ की बैठक हुई। बैठक में सभी जिलों से अधीक्षक उपस्थित हुए। यह बैठक आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत की गई। बैठक में छात्रावास अधीक्षकों के लंबित मांगों पर चर्चा हुई। इसके बाद फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा, चंद्रशेखर तिवारी, प्रांताध्यक्ष, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ तथा रामसागर कोसले, जगदीप बजाज, लोकेश वर्मा की उपस्थिति में संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से योगेश चंद्रा को अध्यक्ष और निलेश खांडे को उपाध्यक्ष चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में जागृति को कोषाध्यक्ष, घनश्याम गायकवाड़ को सचिव मनोनीत किया गया। संस्थापक सदस्य के तौर पर कपिल भट्ट, जय मानिकपुरी, विनीता ठाकुर, रोचिका देशमुख को चुना गया।

समस्याओं के निराकरण के लिए बनाई कार्ययोजना

बैठक में सभी सदस्यों ने कहा कि छात्रावास अधीक्षकों के पांच वर्ष पूर्ण होने पर पदोन्नति दी जानी है, पर आज आठ वर्ष के बाद भी पदोन्नत नहीं किया गया है। छात्रावास अधीक्षक अपने घर-परिवार से दूर रहकर दूरस्थ अंचल के बच्चे, जो छात्रावास में रहते हैं, उनके लिए अपना पूरा समय देते हैं, लेकिन विभाग के अमानवीय आदेशों से वे मानसिक रूप से परेशान रहते हैं। वर्तमान में महंगाई चरम पर है, छात्रावासों में भोजन की जिम्मेदारी अधीक्षकों पर है, पत्राचार करने के बाद भी शिष्यवृत्ति की राशि में वृद्धि नहीं की जा रही है, ऐसे में गुणवत्तायुक्त और पर्याप्त भोजन की कल्पना बच्चों के लिए संभव नहीं हो पा रही है। बैठक में इन सभी मुद्दों पर चर्चा की गई, इन समस्याओं के निराकरण के लिए कार्ययोजना बनाई गई।

किडनी से संबंधित बीमारियों पर चर्चा

रायपुर। नेफ्रॉन हेल्थ सोसाइटी द्वारा रायपुर स्थित एक निजी होटल में शनिवार को स्थापना समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान किडनी से संबंधित बीमारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और बताया गया कि भारत में यह कितना व्यापक हो गया है। लोगों को इसके बारे में जागरूक और सूचित होना कितना महत्वपूर्ण है, साथ ही जोखिम कारक, प्रारंभिक पहचान और रोकथाम का महत्व भी बताया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के अध्यक्ष डॉ. जिग्नेश के. पंड्या द्वारा किया गया, उसके बाद कार्यक्रम में किडनी रोग से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई, जिसमें अतिथि वक्ता डॉ. उमापति हेगड़े ने मधुमेह किडनी रोग में प्रगति के बारे में बात की, डॉ. श्याम बंसल ने किडनी प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा बाधा और इसे दूर करने के तरीके के बारे में चर्चा की और डॉ. अनीश श्रीवास्तव ने महिलाओं में बार-बार होने वाले यूटीआई के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद डॉ. साईनाथ पट्टेवार ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ स्थापना समारोह का समापन किया। स्थापना समारोह नेफ्रॉन हेल्थ सोसाइटी के संरक्षक डॉ. सुभा दुबे और डॉ. एसए काले के संरक्षण में आयोजित किया गया।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रही कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस ने सभी वार्डों का दौरा कर वहां की सभी बूथ कमेटियों को सक्रिय करने का काम शुरू कर दिया है। प्रदेश में इस साल के अंत में स्थानीय निकाय के चुनाव प्रस्तावित हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी करने के बाद कांग्रेस ने सभी वार्ड प्रभारियों को सक्रिय कर दिया है। वे लगातार बूथ कमेटियों की बैठक लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण और अन्य मुद्दों के बारे में कार्यकर्ताओं को जागरूक कर रहे हैं।

■ मतदाता सूची पुनरीक्षण के साथ शुरू हुआ बैठकों को दौर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए प्रदेश के सभी पदाधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। पिछले माह से वार्ड प्रभारी लगातार दौरा कर अपने-अपने प्रभार वाले क्षेत्रों में पार्टी की स्थिति मजबूत बनाने की योजना तैयार कर रहे हैं। अगले माह चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग कार्यक्रम जारी कर सकता है, इस संभावना को देखते हुए बैठकें प्रतिदिन हो रही हैं। वार्डों में हो रही बैठकों में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। चुनाव का माहौल बनाने का प्रयास अभी से शुरू हो गया है। बताया जाता है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी लगातार फीडबैक ले रही है। प्रदेश में आधे से ज्यादा निकायों पर कांग्रेस का दबदबा है और नवंबर-दिसंबर में होने वाले चुनावों का पूर्वानुमान लगाकर अभी से प्रभारी भेजे जा रहे हैं। संगठन ने आगे भी इसी तरह के प्रयास और सक्रियता को जारी रखने की योजना तैयार की है।

दावेदार सक्रिय

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर पार्टी के तैयारी के साथ ही दावेदार भी सक्रिय हो गए हैं। दावेदारों को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार टिकट के लिए काफी मारामारी होगी। पार्टी क्षेत्र में सक्रिय लोगों को वहां से मौका देगी। सभी वार्डों में जहां पर बूथ कमेटी सक्रिय नहीं है, उन्हें भी सक्रिय किया जा रहा है। बूथ, सेक्टर और जोन के कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्र में ही ध्यान देने कहा गया है। शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में इसे लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। कांग्रेस को नगरीय निकाय चुनाव जीतने के लिए सक्रिय और काम में अच्छा प्रदर्शन देने वाले नेताओं को वरिष्ठ और स्थानीय नेता परखेंगे।

जायजा लेने पहुंचेंगे बड़े नेता

कांग्रेस कमेटी ने नगरीय निकाय चुनावों के लिए अभी से ताबड़तोड़ तैयारी शुरू कर दी है। निरीक्षण करने के लिए कांग्रेस के बड़े नेता भी जाएंगे। इस दौरान नेताओं द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की जाएगी, जिसमें नगरीय निकाय में तैयारी में अब तक क्या हुआ और आगे क्या करना है? इसके बारे में चर्चा की जाएगी। साथ ही पार्टी में अभी क्या हालात बन रहे हैं? उस पर भी फीडबैक लिया जाएगा।

पेज 11 के शेष ...

लहसुन 400 पार, हरा...

फिर से चिल्हर में लहसुन की कीमत 400 के पार हो गई है। थोक में इसकी कीमत 280 से 300 रुपए है। इसी तरह से हरा धनिया चिल्हर में 300 रुपए किलो में बिक रहा है, जबकि थोक में इसकी कीमत 150 से 160 रुपए है, यानी चिल्हर में कीमत डबल है। जीरा 800 रुपए तक जाने के बाद अब 400 रुपए पर आकर अटक गया है। इसकी कीमत कम होने की संभावना अब नहीं है। किचन का हर सामान इतना ज्यादा महंगा हो गया है कि एक आदमी के घर का बजट 50 से 60 फीसदी तक बढ़ गया है। महंगाई बिलकुल भी थमने का नाम नहीं ले रही है। आम आदमी जब बाजार में खरीदारी करने निकलता है तो उसे जोर का झटका लगता है। कब किस सामान की कीमत बढ़ जाए, कहा नहीं जा सकता है। सब्जियों की कीमत में बड़ा खेल होता है। एक दिन पहले जो कीमत रहती है, उससे कब कीमत डेढ़ गुना या फिर डबल हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। कई बार 20 रुपए का टमाटर कब 40 और फिर 60 रुपए हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इसी तरह से किसी भी सब्जी के दाम कभी भी बढ़ जाते हैं।

लहसुन की कीमत फिर आसमान पर : लहसुन की कीमत एक बार फिर बीते साल की तरह ही आसमान पर चली गई है। बीते साल ही लहसुन की कीमत चिल्हर में 400 तक गई थी। इसके बाद जब इस साल के प्रारंभ में नई फसल आई तो पहले कीमत 450 रुपए तक गई, लेकिन बाद में आवक बढ़ने पर कीमत कम होते हुए 150 रुपए तक आ गई थी। कारोबारी मानकर चल रहे थे कि अब कीमत 200 रुपए के आसपास रहेगी, लेकिन फिर से कीमत बढ़ गई है। अब थोक में जहां अच्छी क्वालिटी की बड़ी साइज की लहसुन 300 रुपए किलो है, वहीं चिल्हर में यह 100 से 110 रुपए पाव बिक रही है, यानी 400 से 440 रुपए किलो। छोटी साइज की लहसुन थोक में 220 रुपए और चिल्हर में 320 रुपए किलो है।

गणेशोत्वस के स्वागत द्वार और...

ज्वाइंट टीम भी नहीं बनी है। गौरतलब है कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में छोटे-बड़े डेढ़ से दो सौ गणेश पंडाल बनाए जाते हैं। शहर के शंकर नगर, बंजारी चौक, राठौर चौक से बढ़ाईपारा मार्ग तथा स्टेशन रोड पर कई ऐसे गणेश पंडाल ताने जा रहे हैं, जहां जाम की स्थिति निर्मित होना तय है। ज्यादातर गणेशोत्सव समितियां स्वागत द्वार, सजावट के लिए सड़क के दोनों छोर में चार से पांच फीट जगह घेरकर बांस-बल्ली गाड़ चुकी हैं। गणेश पंडाल से ज्यादा ट्रैफिक जाम की स्थिति स्वागत तथा सजावट द्वार की वजह से होगी।

स्थापना के बाद कार्रवाई संभव नहीं : गणेश प्रतिमा स्थापना 7 सितंबर को होगी, इसलिए पुलिस के साथ जिला तथा निगम प्रशासन को सड़क घेरकर लगाए गए पंडालों को अभी व्यवस्थित कराना होगा। प्रतिमा स्थापना के बाद यह संभव नहीं है। गौरतलब है कि किसी भी तरह के आयोजन के लिए नागरिक संघर्ष समिति के आवेदन पर एनजीटी ने दिशा-निर्देश जरी किए हैं। गणेश पंडाल लगाने ज्यादातर गणेशोत्सव समिति एनजीटी की दिशा-निर्देशों का साफ तौर पर अनदेखी कर रहे हैं।

छुट्टी के दिन भी...

5 सितंबर तक पूरी की जाएगी। रविवार और सोमवार को अवकाश होने की वजह से एडमिशन लेने वालों की संख्या कम रही है, ज्यादातर लोगों ने आज दस्तावेजों के साथ अन्य जांच की प्रक्रिया पूरी की। काउंसिलिंग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार मंगलवार से एडमिशन लेने वालों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। जीएमसी रायपुर में तीन अन्य निजी मेडिकल कालेज के दस्तावेजों की स्क्रूटनी की जा रही है। इसी तरह शासकीय डेंटल कालेज में स्वयं के साथ पांच अन्य निजी मेडिकल कॉलेजों की सीटों में काउंसिलिंग की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस बार राज्य में स्टेट और प्रबंधन 1814 सीटों पर एडमिशन किया जाना है। सूत्रों का कहना है कि पहले राउंड की काउंसिलिंग में छात्रों द्वारा एमबीबीएस में एडमिशन को प्राथमिकता दिया जा रहा है। सरकारी कालेजों में कटऑफ बढ़ने की वजह से पहले राउंड में ही कई छात्र निजी कालेजों में भी एडमिशन का मौका नहीं चूक रहे हैं। इस बार राज्य में निजी मेडिकल कालेजों की संख्या तीन से बढ़कर पांच हो चुकी है।

बिजनेस साइट

वस्त्रम विकास में तीज स्पेशल ऑफर को मिल रहा शानदार रिस्पांस

रायपुर। शहर की प्रतिष्ठित फैमिली फैशन शॉप वस्त्रम विकास ने तीज के अवसर पर एक विशेष ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत ग्राहक 5 हजार रुपए की साड़ियों की खरीद पर 500 रुपए मूल्य की साड़ी मात्र 1 रुपए में प्राप्त कर सकते हैं। इस ऑफर को लोगों से शानदार रिस्पांस मिल रहा है। संस्थान के संचालक केपी देवांगन ने बताया कि वस्त्रम विकास विगत 28 वर्षों से रायपुर सहित पूरे प्रदेश के कई परिवारों की फैशन डिमांड पूरा करता आया है। इसी कड़ी में तीज के अवसर पर उन्होंने महिलाओं के लिए विशेष ऑफर के साथ-साथ कई प्रकार की साड़ियों की बेहतरीन डिजाइन और वैरायटी पेश की है। इसके अलावा वस्त्रम विकास पर सभी प्रकार की साड़ियों पर 50% तक की छूट भी प्रदान की जा रही है। पुरुषों के लिए 1599 रुपए में स्टाइलिश जैकेट के साथ कुर्ता पायजामा भी उपलब्ध हैं। ब्रांडेड कुर्तियां, सूटपीस, किड्स वियर और मेन्स वियर की विस्तृत श्रृंखला भी वस्त्रम विकास की पांचों ब्रांचों में उपलब्ध है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

पीएससी पर भारी पड़ा यूपीएससी, एक दिन में हुईं तीन बड़ी परीक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रविवार को तीन बड़ी परीक्षाएं एक साथ आयोजित हुई। इनमें यूपीएससी की दो और पीएससी की एक परीक्षा शामिल रही। यूपीएससी ने तीन पालियों में कंबाइंड डिफेंस सर्विस परीक्षा आयोजित की।

जबकि यूपीएससी की ही नेशनल डिफेंस एकाडमी एंड नेवल एकाडमी परीक्षा दो पालियों में ली गई। उपस्थिति के हिसाब से यूपीएससी, पीएससी पर भारी पड़ा। यूपीएससी की कंबाइंड डिफेंस सर्विस परीक्षा में तीनों पालियों में उपस्थिति 55 से 58.8 प्रतिशत तक रही। नेशनल डिफेंस एकाडमी एंड नेवल एकाडमी परीक्षा में छात्रों का उपस्थिति प्रतिशत 63.2 प्रतिशत रहा। एनडीए, सीडीएस की भर्ती परीक्षा के लिए यूपीएससी की ओर से एडमिट कार्ड पहले ही जारी किए जा चुके थे। पीएससी ने भी पहले ही दिशा-निर्देश जारी कर दिए थे।

- यूपीएससी ने तीन पालियों में आयोजित की कंबाइंड डिफेंस सर्विस परीक्षा
- दो पाली में हुई यूपीएससी की ही नेशनल डिफेंस एकाडमी एंड नेवल एकाडमी परीक्षा
- पीएससी ने आयोजित की परिवहन उप निरीक्षक के लिए परीक्षाएं

सुबह से शाम तक परीक्षाओं का दौर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा कंबाइंड डिफेंस सर्विस परीक्षा तीन पालियों में प्रातः 9. 00 बजे से 11.00 बजे, द्वितीय पाली दोपहर 12.00 बजे से 2.00 बजे तथा तृतीय पाली दोपः 3.00 बजे से 5.00 बजे तक हुई। इसके साथ नेशनल डिफेंस एकाडमी एंड नेवल एकाडमी परीक्षा प्रातः 10.00 बजे से 12.30 बजे तक एवं दोपहर 2.00 बजे से 4.30 बजे तक दो पालियों में हुई। बड़े पैमाने पर हुई इस परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन के लिए एक दिन पहले ही बैठक आयोजित की गई थी। कड़े मानक सभी परीक्षाओं के लिए बनाए गए थे।

6 हजार ने भरे फॉर्म, पहुंचे सिर्फ 1 हजार 400

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा परिवहन उप निरीक्षक (तकनीकी) परीक्षा का आयोजन प्रातः 10.00 बजे से अपरान्ह 1.00 बजे तक किया गया। राजधानी रायपुर में पीएससी की परीक्षा के लिए 16 केंद्र बनाए गए थे, जबकि यूपीएससी ने परीक्षा पाली के आधार पर केंद्रों का निर्धारण किया था। परीक्षार्थियों में पीएससी से अधिक क्रेज यूपीएससी को लेकर देखने को मिला। पीएससी की परीक्षा में जहां उपस्थिति 23.4 प्रतिशत ही रही, तो वहीं यूपीएससी में छात्रों की उपस्थिति 64 प्रतिशत तक रही। इसके लिए 6 हजार 157 आवेदन मिले थे, जबकि परीक्षा दिलाने सिर्फ 1 हजार 441 अभ्यर्थी ही पहुंचे।

खबर संक्षेप

‘खेल रही है पानी से’ का किया लोकार्पण

रायपुर। डॉ. माणिक विश्वकर्मा ‘नवरंग’ के आवास के प्रथमतल पर स्थित पुस्तकालय में रविवार को विश्वकर्मा समाज के पदाधिकारियों द्वारा उनके बाल कविता संग्रह ‘खेल रही है पानी से’ का लोकार्पण किया गया। पुस्तक के संदर्भ में डॉ. नवरंग ने कहा कि बाल कविताएं वही सार्थक मानी जाती हैं, जिनका सरोकार उनकी मानसिकता से होता है, जो मनोरंजक होने के साथ ही ज्ञानवर्धक भी होती हैं एवं बच्चों के बौद्धिक विकास में सहायक होती हैं। समझने के लिए उनसे मानसिक कसरत नहीं करवातीं। लोकार्पण के अवसर पर सीताराम विश्वकर्मा, पीआर विश्वकर्मा, किशनलाल विश्वकर्मा, नंदकिशोर पांचाल, राजाराम विश्वकर्मा, अर्जुन विश्वकर्मा, पुन्नी विश्वकर्मा, मयंक विश्वकर्मा सहित कार्यकारिणी सदस्य मनोहर विश्वकर्मा, मोहनलाल विश्वकर्मा एवं शशि आचार्य उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग का सहज समाधि ध्यान योग कल से

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्रीश्री रविशंकर द्वारा प्रदत्त सहज समाधि ध्यान योग का कार्यक्रम होगा। यह कार्यक्रम कमल विहार सेक्टर-12 में तीन दिवसीय 3 से 5 सितंबर तक किया जाएगा। यह योग सुबह 6.30 बजे से प्रातः 8.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 16 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। इस कार्यक्रम में डॉ. सरिता बाजपेयी आयुर्वेद विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ आर्ट ऑफ लिविंग एडवांस मेडिटेशन प्रोग्राम शिक्षक टीचर एवं मुकेश निहाल पेरेंटिंग एक्सपर्ट, लाइफ कोच आदि शामिल होंगे।

शिशु और बच्चों को दूध पाउडर उपलब्ध कराया

रायपुर। हर्ष एनजीओ द्वारा सेवा भारती मातृछाया आश्रम कोटा के नवजात शिशु एवं बच्चों के लिए उनकी जरूरतों का सामान उपलब्ध कराया गया। छोटे बच्चों के लिए दूध पाउडर, डायपर, बेबी आयल, पाउडर सोप के साथ नाश्ते के लिए पोहा, इडली, बिस्किट, चॉकलेट आदि उपलब्ध कराए गए। समिति के अध्यक्ष डॉ. हर्ष तिवारी ने बताया कि इस कार्य में डॉ. नितेश तिवारी, नीलम नाग, अन्नपूर्णा ठाकुर, मुक्ति लकड़ा, रूबी साहू, मनीषा गुलहरे एवं अन्य सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था आने वाले समय में जनहित सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाएगी।

नशीली टेबलेट जब्त आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर पुलिस ने एक युवक के कब्जे से 20 हजार रुपए कीमत की 864 नग नशीली टेबलेट जब्त की है। पुलिस के मुताबिक, कुकुरबेड़ा निवासी मनीष चंद्राकर के कब्जे से स्पॉस्मो टेबलेट जब्त की गई है। मनीष द्वारा घर में चोरी-छिपे नशीली टेबलेट बेचे जाने की जानकारी मिलने के बाद छापे की कार्रवाई की गई

उरकुरा में 25 हजार की आबादी को बिरगांव निगम देगा नई सुविधा

डुप्लेक्स मंगल भवन को तीन महीने में देंगे फाइनल टच, दिसंबर से शुरू होगी बुकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

उरकुरा में 25 हजार से ज्यादा की आबादी को दिसंबर से डुप्लेक्स मंगल भवन बुकिंग की सुविधा मिलने वाली है। मंगल भवन में किचन, हॉल के साथ ही भवन बुक कराने वाले लोगों को सर्व सुविधायुक्त 5 कमरे भी मिलेंगे। डुप्लेक्स का निर्माण कर रही एजेंसी को निगम आयुक्त ने नवंबर तक काम पूरा करने के लिए निर्देश दिया है। इसे देखते हुए एजेंसी कर्मियों ने मंगल भवन को अब फाइनल टच देना शुरू किया है।

बिरगांव निगम बनने के करीब 10 साल बाद उरकुरा की घनी आबादी के बीच अब पहले मंगल भवन की सुविधा मिलने वाली है। इसके पहले उरकुरा में लोगों के बीच एक भी बड़े मंगल भवन की सुविधा नहीं थी। उरकुरा वार्ड के लोगों द्वारा लगातार की गई मांग के बाद निगम के जिम्मेदारों ने 2. 83 करोड़ में डुप्लेक्स मंगल भवन बनाने के लिए शासन को प्रस्ताव दिया था। इसे मंजूरी मिलने के बाद लोगों को नई सुविधा देने के लिए भवन बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

अब नए साल से पहले ही क्षेत्र के लोगों को वैवाहिक सहित हर तरह के आयोजन के लिए सर्व सुविधायुक्त भवन मिलने वाला है। इसके पहले लोगों को इस सुविधा के लिए प्राइवेट भवन मालिकों को ज्यादा किराया के साथ ही भारी-भरकम मेंटेनेंस शुल्क भी देना पड़ता था, अब राहत मिलेगी।

लोगों को मिलेगी यह सुविधा

मंगल भवन का निर्माण 10 हजार वर्गफीट एरिया में हो रहा है। इसमें लोगों को विभिन्न आयोजनों के लिए बड़ा हॉल और रसोई की सुविधा मिलेगी। शादी-सगाई के लिए भवन बुक कराने वाले परिवारों को सर्व सुविधायुक्त 5 कमरे भी मिलेंगे। भवन के लिए करीब एक एकड़ जमीन आरक्षित की गई है। इस भवन परिसर में लोगों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। उरकुरा मुख्य मार्ग से करीब 150 मीटर की दूरी पर भवन होने से ट्रैफिक जाम की स्थिति भी नहीं बनेगी। आबादी से दूर होने से लोगों को बैंड-बाजे व धुमाल के शोर-शराबे की शिकायत भी नहीं होगी।

नवंबर में ही पूरा होगा निर्माण

सर्वसुविधा युक्त मंगल भवन का निर्माण एजेंसी को नवंबर में पूरा करके देने के लिए कहा गया है। प्रयास किया जा रहा है कि भवन बुकिंग की सुविधा लोगों को दिसंबर से मिल सके। निर्माण कार्य को फाइनल टच देने के बाद विद्युत सिस्टम लगाएंगे। - **बृजेश सिंह क्षत्रिय,** आयुक्त, ननि बिरगांव

घनी आबादी को मिलेगी राहत

बिरगांव के हर्षित विहार, डीएम टॉवर, उरकुरा के मां शीतला माता, संत कबीरदास, ठाकुर प्यारेलाल और माधवराव सप्रे वार्ड की घनी आबादी में किराए के मकान में रहने वाले लोगों को इस सुविधा से बड़ी राहत मिलने वाली है। अभी उरकुरा के 4 वार्डों में सामाजिक भवन खाली होने पर ही दूसरे समाज के लोगों को जरूरी आयोजन के लिए मिलता था। अब मंगल भवन निर्माण कार्य पूरा होने और परिसर में खाली स्पेस और पार्किंग होने से लोग छोटे आयोजन को सामान्य दिनों में पंडाल लगाकर भी कर सकेंगे। पहले यह सुविधा भी नहीं मिलती थी।

मवेशी पकड़ने 50 अतिरिक्त कर्मचारी रखने की तैयारी में निगम, कल तय होगी एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- दो माह के लिए ठेका, कलेक्टर दर पर होगा भुगतान
- काऊकैचर में अमले का टोटा, दो पालियों में अभियान

आवारा मवेशियों के झुंड से त्रस्त शहरवासियों को अब राहत मिलने के आसार हैं। दो पाली में मवेशियों को पकड़ने नगर निगम 50 अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था कर रहा है। प्लेसमेंट पर इन कर्मचारियों को फिलहाल 2 माह के लिए कार्य कर रखा जाएगा। इसके एवज में उन्हें कलेक्टर दर पर मेहनताना दिया जाएगा। मंगलवार को इसके लिए एजेंसी तय होगी। साथ ही काऊकैचर के लिए 10 वाहन चालक रखे जाएगे।

राजधानी सहित आउटर के इलाकों में सड़क यातायात बाधित करने वाले मवेशियों की धरपकड़ के लिए नगर निगम अब अमला बढ़ाएगा। सड़क हादसे को लेकर हाईकोर्ट के फरमान के बाद निगम प्रशासन ने दस जोन के लिए प्लेसमेंट पर 50 दक्ष कर्मचारी रखने टेंडर किया। इसके लिए मंगलवार को एजेंसी तय होगी, जिसमें 50 अतिरिक्त कर्मचारी और 10 वाहन चालक इस कार्य के लिए उपलब्ध होंगे।

अभियान चलाकर पकड़ेंगे मवेशी

निगम आयुक्त के निर्देश पर दो पालियों में आवारा मवेशियों को पकड़ने अभियान चलाने के लिए 50 अतिरिक्त कर्मचारी प्लेसमेंट पर रखने मंजूरी मिली है। साथ ही 10 वाहन चालक प्लेसमेंट पर रखे जाएंगे। - **डॉ. तृप्ति पाणिग्रही,** स्वास्थ्य अधिकारी, ननि रायपुर

मवेशियों की धमाचौकड़ी

दरअसल त्योहारी सीजन में शहर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों और रिहाइशी इलाकों की सड़कों पर आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी और सांड के उत्पात से जहां एक ओर दुघर्टना का खतरा बढ़ गया है, वही देर शाम इन मवेशियों को पकड़ने कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है। काऊकैचर दस्ते में अमले का टोटा होने नगर निगम वर्तमान में केवल एक पाली में मवेशियों की धरपकड़ का कार्य करवा रहा है। वैसे तो दस जोन में 10 काऊकैचर उपलब्ध हैं, पर मवेशी पकड़ने दक्ष कर्मचारी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं।

विद्यार्थियों को बताई जीवन जीने की कला

- चैंबर ऑफ कॉमर्स भिलाई इकाई ने कुम्हारी में किया विशेष कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वामी आत्मानंद स्कूल, कुम्हारी में चैंबर ऑफ कॉमर्स की भिलाई इकाई ने एक अनूठा कार्यक्रम जिंदगी नहीं मिलेगी दोबारा का आयोजन किया। इस मौके पर विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला बताई गई। कार्यक्रम में चैंबर के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंह देव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि ने कहा कि अपने लक्ष्य पर एकाग्र होकर जीवन में सफलता पाई जा सकती है। इसके लिए कड़ी मेहनत और लगन की भावना होना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में चैंबर के महामंत्री अजय भसीन ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा, सही तरीके से पढ़ाई करने और अनुशासन को जीवन में अपनाने से व्यक्तित्व निखरता है उन्होंने शिक्षा को जीवन के विकास का सबसे महत्वपूर्ण साधन बताया। कार्यक्रम में चैंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर बजाज ने छात्रों को अपने फैक्ट्री का भ्रमण कराने का आश्वासन दिया,

जिससे उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके। इस मौके पर विक्रम सिंह देव का जन्मदिन स्कूल के विद्यार्थियों ने केक काटकर मनाया और उन्हें बधाई दी।

पढ़ाई के साथ आमदनी बढ़ाने की जानकारी दी गई

चैंबर के उद्योग चैंबर इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष और स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे ने छात्रों को स्किल डेवलपमेंट, स्वरोजगार के अवसर, और पढ़ाई के साथ-साथ आमदनी के साधन किस तरह विकसित करें, इस पर सार्थक जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी नौकरियां केवल 7.5% ही होती हैं, इसलिए छात्रों को सरकारी नौकरी के पीछे न भागकर किसी न किसी स्किल को सीखने पर ध्यान देना चाहिए। यही स्किल्स उनके भविष्य को एक नई दिशा प्रदान करेंगी।

नशे में बीच सड़क लोट रहा था सीएएफ का जवान, वीडियो वायरल

- जवान की पहचान नहीं हो पाई
- जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने कमांडेंट को सूचना देने की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आमानाका ओवरब्रिज के नीचे डिवाइडर पर एक सीएएफ जवान का शराब पीकर बीच सड़क पर लोटने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में जवान वर्दी में डिवाइडर पर बैठकर शराब पीते दिख रहा है। जवान की हालत देख आने-जाने वालों ने उसे सड़क के किनारे कर घटना की जानकारी पुलिस को दी।

जानकारी के मुताबिक, जवान किसी बटालियन से ड्यूटी करने रायपुर आया था। ड्यूटी के बाद जवान ने किसी शराब दुकान से शराब खरीदी और आमानाका ओवरब्रिज के नीचे डिवाइडर के ऊपर बैठकर जाम छलकाया। इस दौरान वह इतनी ज्यादा शराब गटक गया कि उसे कुछ होश नहीं रहा और डिवाइडर पर बैठे-बैठे ही लुढ़क गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जवान के बैज को देखा तो उसमें सीएएफ लिखा था। जवान कहां का है, उसका नाम क्या है, इसकी जानकारी जुटाने के बाद पुलिस कमांडेंट को सूचना देने की बात कह रही है।

ई-रिक्शा सवार बदमाशों ने युवक को पीटा, 27 हजार लूटे, चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के रामनगर चौकी इलाके में एक युवक ने ई-रिक्शा चालक तथा उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ जबरन अपने ई-रिक्शा में बैठाकर ले जाने तथा मारपीट कर कैश 27 हजार रुपए और मोबाइल लूटने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। युवक की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट तथा लूट के आरोप में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

- घटना गुढ़ियारी की रामनगर चौकी क्षेत्र की

पुलिस के मुताबिक, धन्नू चंद्रवंशी की शिकायत पर सूरज सारथी, राजेश धांडे, परमानंद धांडे तथा ओमप्रकाश शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। धन्नू ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार देर रात वह अपने दोस्त को छोड़ने के बाद बजरंग चौक ओवरब्रिज के नीचे ऑटो का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ई-रिक्शा में लिफ्ट लेने आवाज लगाई। ई-रिक्शा चालक वापस ई-रिक्शा घुमाकर धन्नू के पास आया। इसके बाद ई-रिक्शा में सवार लड़के धन्नू के साथ मारपीट कर उसे जबरन ई-रिक्शा में अपने साथ बैठाकर ले गए और लूटपाट की। धन्नू ने ई-रिक्शा से कूदकर अपनी जान बचाई और घटना की जानकारी पुलिस को दी।

सरकारी नौकरी वाले दिव्यांगों की जांच सालभर में नहीं हो सकी पूरी

- जारी हुआ था आदेश, मेडिकल बोर्ड तक नहीं पहुंच रहे दिव्यांग
- वर्ष 2019 के बाद सेवा में आने वाले दिव्यांगों जांच दायरे में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

फर्जी सर्टिफिकेट की मदद से सरकारी सेवा में आने वाले लोगों की पहचाने के लिए सालभर पहले जांच के आदेश का पालन अब तक नहीं हो पाया है। वर्ष 2019 के बाद सेवा में आने वाले दिव्यांगों को जांच के दायरे में लाया गया, मगर वे अपनी जांच कराने के मेडिकल बोर्ड के सामने प्रस्तुत ही नहीं हो रहे हैं। राज्य में करीब बीस हजार लोग दिव्यांग सर्टिफिकेट की मदद से शासकीय सेवा में कार्यरत हैं।

जानकारी के अनुसार, आंबेडकर अस्पताल में कार्यरत विभिन्न विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक स्टेट मेडिकल बोर्ड के सदस्य हैं। उनके द्वारा सामने आने वाले प्रकरणों की जांच के बाद संबंधित शख्स को सर्टिफिकेट जारी किया जाता है। इसके अलावा जिला और संभाग स्तर पर भी चिकित्सा समिति कार्यरत हैं। सूत्रों का कहना है कि सालभर पहले उनके पास जांच करने के लिए आदेश तो आया था, मगर अब तक दिव्यांग उन तक नहीं पहुंचे हैं। नियम के मुताबिक, सरकारी सेवा में काम करने वाले दिव्यांगों को अपने प्रमाणपत्र के साथ जांच के लिए पहुंचना था, मगर उनके द्वारा जांच नहीं कराई जा रही है और उस मामले में विभागीय स्तर पर भी गंभीरता नहीं बरती जा रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि राज्य में सरकारी सेवा में कार्यरत दिव्यांग सर्टिफिकेट वाले शासकीय कर्मचारियों की संख्या करीब बीस हजार है, जिन्हें अपनी जांच करानी है।

नहीं आ रहे जांच कराने

राज्य मेडिकल बोर्ड में शामिल आंबेडकर अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीत जैन के मुताबिक, वर्ष 2019 के बाद सेवा में आने वाले शासकीय कर्मचारियों को फिर से जांच कराने का आदेश है, मगर जांच के लिए कोई नहीं आता। जिन दिव्यांग शासकीय कर्मचारियों की जांच करानी है, उनके दस्तावेज विभागीय स्तर पर प्रेषित किए जाने चाहिए और कर्मचारियों को तय तिथि में बोर्ड के सामने उपस्थित होने के निर्देश दिए जाने चाहिए।

अब तक पांच बर्खास्त

छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष बीआर चंद्राकर ने बताया कि संगठन द्वारा अपनी याचिका में 18 लोगों पर आरोप लगाया गया था। इसके अलावा विभागीय स्तर पर 147 लोगों की सूची सौंपी गई थी। अब तक इस प्रकरण में पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और शेष लोग अपनी जांच कराने के लिए मेडिकल बोर्ड के सामने प्रस्तुत नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि शासन के आदेश को नहीं मानने वाले ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ सख्ती की जानी चाहिए।

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Cellage Tour
By Train-रिजर्वेशन कोच
18 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024
09 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2024
06 नवम्बर से 18 नवम्बर 2024
19 नवंबर से 31 दिसंबर 2024
सुविध ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), वाराणसी (काशी विश्वनाथ), गोरखनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ, लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), माँ मनोकामना देवी, पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव, डेविड फाल, विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (भोलेनाथ मंदिर, बुढ़ानिलकंड, सांघा), काठमांडू दरबार, भक्तपुर, जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल), सीतामणी
राशिः-स्लीपर 18500/- 3 एसी 27,500/-2 एसी 30,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D 36 Sector 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

02
चॉक, कैंडी टॉफी, मोरपंख से दिया ....

सिटी इवेंट

बेवा, विधुर लोगों के रिश्ते जोड़ने परिचय, पहुंचे उप्र व महाराष्ट्र से

रायपुर। राजधानी में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम मनिहार परिवार सम्मेलन आयोजित किया गया। मुस्लिम मनिहार समाज के सचिव अब्दुल मुकीम मनिहार से बताया कि छत्तीसगढ़ मुस्लिम मनिहार, प्रदेश मनिहार कमेटी व रायपुर मनिहार कमेटी की मेजबानी में यह आयोजन हुआ। इसमें छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश सहित अन्य राज्यों के मनिहार बिरादरी के लोग इकट्ठा हुए। इसकी तैयारी 2 महीने से रायपुर मुस्लिम मनिहार समाज कर रहा था।

खिलाड़ी को प्रोत्साहन

मुस्लिम मनिहार समाज के विभिन्न खेलों में राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय पदक जीतकर समाज का नाम रोशन करने वालों को भी सम्मानित किया गया। रायपुर मुस्लिम मनिहार के सचिव ने बताया की समाज में हमेशा सम्मेलन व और भी सामाजिक कार्यक्रम होते रहते हैं, लेकिन नौजवान बच्चे-बच्चियों व तलाकशुदा, बेवा, विधुर लोगों के रिश्ते जोड़ने के लिए यह परिचय सम्मेलन पहली बार रखा जा रहा है। सभी राज्यों से बिरादरी के लगभग 1500 लोग इकट्ठा हुए। मुस्लिम मनिहार कमेटी के अब्दुल रशीद, अब्दुल हफीज, मोहम्मद अफशीन, मोहम्मद नईमुद्दीन, अब्दुल वाहिद, मोहम्मद अलीबक्स, शेख मुख्तार, हाजी गफ्फार, खलील वारसी, मोहम्मद जलील मोहम्मद सहित अन्य शामिल रहे।

बिना कैलकुलेटर की मदद से बच्चों ने की गणितीय गणना, प्रदेशभर से प्रतिभाशाली बच्चों ने लिया भाग

'दिमाग बना कैलकुलेटर', 2 साल के ऋषि ने 3 सेकंड में की हजारों की गणना, ट्विंकल ने 10 मिनट में हल किए गणित के 200 सवाल

स्कूल में अक्सर बच्चों को सबसे कठिन सवाल गणित का लगता है। एग्जाम में भी गणित के सवालों को हर करने पसीने छूट जाते हैं, लेकिन रविवार को ब्रेनिश मेगाफेस्ट प्रतियोगिता में बच्चों ने बिना कैलकुलेटर की मदद से चंद मिनटों में ही हजारों की गणना को जोड़ घटाना व गुणा भाग कर हल निकाल दिया।

रायपुर। प्रतियोगिता में बच्चों का दिमाग कैलकुलेटर की तरह कार्य कर रहा था। अंकों की गणना करने बच्चों का ध्यान माइक में तेजी से बोले जा रहे अंकों पर था। इस बीच 10 सेकंड के भीतर लगातार दर्जन से अधिक बार हजारों अंकों को कभी जोड़ने और गुणा करने को कहा गया है, जिसे बच्चे ने ध्यान से सुनकर अपने तेज दिमाग से सवाल का चंद सेकंड में कैलकुलेशन निकाल दिया। खास बात यह भी रही कि माइक में जैसे ही अंकों की गणना बंद हुए तीन सेंकट के भीतर ही बच्चों ने सही जवाब पर्ची लिखकर दिखाया। प्रतियोगिता में पहले माइक से 15 सेकंड में 8 से 9 अंकों की गणना करने को कहा गया है, जिसके बाद जब दर्जन प्रतिभागियों में केवल 4 ही बचे तब 10 सेकंड में 15 से अधिक अंकों को एक के बाद एक गणना करने को कहा गया है। लेकिन इसे भी हल करने बच्चों को चंद सेकंड ही लगे।

एग्जाम में 5 मिनट के भीतर हल कर देता हूं सवाल

कैलकुलेटर की तरह तेज गणना करने वाले दो साल के ऋषि निषाद ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि एक बार सुनने के बाद जल्दी से नहीं भूलता हूं। फाइनल राउंड के दौरान मुझे नींद आ रही थी, लेकिन मेरा दिमाग एक्टिव था। बड़ी आसानी से लाखों व करोड़ों अंकों की गणना कर सकता है। स्कूल में एग्जाम के दौरान सभी सवाल को हल करने में 5 मिनट का समय लगता है। ऋषि की मां ज्योति निषाद ने बताया कि कोरोना के दौरान जब बच्चों के साथ समय बिताया तब भी इसके तेज दिमाग के बारे में पता चला। जब ऋषि की उम्र एक साल के भी कम थी। जिस तेजी के साथ आज गणना करता है, यह प्रतिभा जन्म के साथ ही मिली है। गणित का हल निकालने के साथ किसी विषय को याद करने में भी चंद सेकंड लगते हैं।

कक्षा दूसरी के बच्चे का दिमाग निकाला तेज

कार्यक्रम में दो तरह की प्रतियोगिता हुई, जिसमें पहला माइक से अंक सुनकर बच्चों से गणना करना था। दूसरा 10 मिनट में 200 सवालों को हल करना था। प्रतियोगिता में पहली से लेकर कक्षा 8वीं तक के बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। पहली प्रतियोगिता में कक्षा दूसरी के ऋषि निषाद के तेज दिमाग ने सभी को हरा दिया। दूसरी प्रतियोगिता में धमतरी की ट्विंकल पटेल ने गणित के 200 कठिन सवाल को 10 मिनट से भी कम समय में हल कर विजेता बनी। ट्विंकल मैथमेटिक्स स्किल ने देखकर निर्णायक भी हैरत में रह गए।

बच्चों ने दिखाया तेज मैथमेटिक्स स्किल

माइक में जिस तेजी के साथ बच्चों को अंकों की गणना करने को कहा जा रहा था, इसे सामान्य व्यक्ति सुनकर भी 3 से 5 सेकंड में कैलकुलेटर से हल निकाल नहीं पाएगा। बच्चों ने तेज दिमाग से न केवल अंकों को याद रखा साथ ही साथ गणना भी करते गए। सही जवाब सुनकर हर कोई चकित रह गया। प्रतियोगिता में पूछे गए सवाल को कैलकुलेटर से हल करने पर 30 से अधिक सेकंड लग सकता है। इसके अलावा सामान्य व्यक्ति कॉपी में हर करने बैठे तो 10 मिनट भी लग सकते हैं। बच्चों ने बिना कैलकुलेटर की सहायता से ही गणित के कठिन सवालों को मिनटों में हल किया। प्रतियोगिता में रायपुर के साथ-साथ राजनांदगांव, रायगढ़, दुर्ग समेत अन्य जिलों से बच्चों ने भाग लिया गया।

पोला की पूर्व संध्या पर जुटे महिला संगठन, तीज सुंदरी सहित पारंपरिक खेलों की स्पर्धा

परंपराओं की महक...सखियों संग अठखेलियां

फोक गीतों पर थिरकी महिलाएं, स्थानीयता का सुंदर समावेश

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन, सर्व युवा ब्राह्मण परिषद द्वारा विगत वर्षों की भांति विप्र महिलाओं के लिए तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिलाओं के लिए नृत्य स्पर्धा और तीज सुंदरी प्रतियोगिता रखी गई। वृंदावन हाल में रखे गए इस महोत्सव में संपूर्ण समाज से महिलाएं शामिल हुईं। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रदेश की विप्र महिलाओं व युवतियों को पूर्णतः पारिवारिक, सामाजिक माहौल में मंच प्रदान करने के लिए तीज महोत्सव में नृत्य और तीज सुंदरी प्रतियोगिता रखी गई। तीज सुंदरी प्रतियोगिता में गुंडरदेही की सभापति पायल शर्मा विजेता एवं भाटापारा की अभिलाषा झा उप विजेता रहीं। यहां 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं ने क्लासिकल फोक नृत्य में समूह, युगल व एकल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष नगर निगम मीनल चौबे एवं समाजसेवी दीप्ति दुबे रही। प्रत्येक वर्ग की प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता को स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। निर्णायकों में अनुराधा दुबे, आकांक्षा दुबे द्वारा समूह नृत्य में महाराष्ट्र मंडल की अनिता लांगे का ग्रुप प्रथम एवं अपर्णा देशमुख का ग्रुप द्वितीय, युगल नृत्य में पंजाबी फोक सीमा व रावी प्रथम एवं सुरभी व लारी द्वितीय, एकल नृत्य में देबोलिना दास प्रथम एवं अभिलाषा शर्मा द्वितीय रहीं।

सावन सेलिब्रेशन में रूपा सिंह बनी सावन क्वीन

रायपुर। सावन सेलिब्रेशन के चलते वीआईपी रोड के मधुबन फार्म हाउस में उत्सव का माहौल रहा। हिन्द के निवासी रंग-रूप, वेश-भूषा में सब अनेक होते हुए भी एक हैं, इसी तरह का मैसेज आज जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल ने उत्सव में भी देने का प्रयास किया। इस बार सावन क्वीन रूपा सिंह को चुना गया। वहीं सेलिब्रेशन में हर सदस्य अलग-अलग पारंपरिक परिधान में नजर आया। कोई बंगाली तो कोई मराठी, आसामी तो कोई राजस्थानी और हरियाणवी परिधान में सेलिब्रेशन में शामिल हुई। बैलून गेम, लक गेम, हाउसी खेलते हुए सबने खूब इंजॉय किया। अंत में फैशन शो में सभी ने इंट्रोडक्शन देते हुए टैलेंट दिखाया और खूब तालियां भी बटोरी। सुबह 11 बजे से शुरू हुए सावन सेलिब्रेशन में वामा से जुड़ी महिलाओं ने दिनभर धूम मचाई। प्रतिभागियों ने भी अव्वल बनने का हर संभव प्रयास किया।

जेसीआई वीमंस रही विजेता

वामा की मीडिया प्रभारी दीया मूलचंदानी ने बताया कि दिनभर की एक्टिविटीज, परफॉर्मेंस और वेशभूषा को ध्यान में रखते हुए रूपा सिंग को सावन क्वीन के खिताब से नवाजा गया। न्यू कमर का खिताब प्रियंका कहालिया को मिला। मोस्ट एक्टिव सखी सहेली प्रकृति श्रीवास्तव और कनक खोखर रही। साइलेंट सोबर अंकित जैन, मोस्ट फैशनेबल शेनिला मारफ़नी, बेस्ट ज्वेलरी

सुषमा बुलचंदानी, बेस्ट ड्रेस सरिता पटनायक, बेस्ट एक्सप्रेशन के लिए धृति शर्मा को चुना गया। बेस्ट डायलॉग शिखा साहू रही। अन्य टाइटलस भी प्रतिभागियों ने अपने नाम किए। निर्णायक के रुप में लीना वाढेर, शीतल उपाध्याय मौजूद रही। निर्देशन चंचल राठी ने किया।

नेपाली गानों पर समधुर प्रस्तुति

नेपाली सेवा समिति द्वारा तीज मिलन आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें शामिल होने के लिए रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में रहने वाले समाज के लोग परिवार संग पहुंचे। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक पारंपरिक लोक गीतों के साथ ही फिल्मी गीतों की बेजोड़ प्रस्तुति समाज की महिलाओं ने दी। मारवाड़ी सामुदायिक भवन में यह आयोजन हुआ। नेपाली सेवा समिति के कृष्ण बहादुर क्षत्री, योजन शर्मा, हरिप्रसाद शर्मा, संजय थापा की पहल से इस बार तीज मिलन खास रहा। वंदना सिंह, रेनु क्षत्री और शिवानी शर्मा ने मिलकर इसे उत्सव का रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसमें समाज के युवाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सोलो डांस व संगीत से सजा 'मुक्ताकाशी', पंजाबी ग्रुप ने मारी बाजी

संगी मितान सेवा संस्थान ने हर साल की तरह ही मुक्ताकाशी मंच पर हर समाज की महिलाओं को तीज उत्सव को खास बनाने का अवसर दिया। संस्थान की संस्थापिका ममता शर्मा की अगुवाई में शाम 6 बजे शुरू हुआ गीत-संगीत का दौर रात 10.30 बजे तक चला। इसमें सोलो डांस के साथ ही गीत-संगीत का सिलसिला शुरू हुआ तो विभिन्न समाज के लोगों की प्रस्तुति देखने के लिए पहुंचे दर्शकों ने इसका लुत्फ उठाया। पूरे उत्सव में पंजाबी रंग बिखरा रहा। स्पर्धाओं में पंजाबी ग्रुप की महिलाएं रनिंग शील्ड के साथ विजेता रही। दूसरे पायदान पर मॉम शक्ति ग्रुप को चुना गया। तीसरा स्थान आन्ध्रा ग्रुप को मिला। सभी को शील्ड एवं मोमेंटो देने के लिए मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, पुरन्दर मिश्रा के साथ ही निगम के सभापति प्रमोद दुबे मौजूद थे।

सिटी लाइव

त्वचा रोग से लड़ने बनाया ऑनलाइन ग्रुप, अब मिला यूनिवर्सल अवार्ड

रायपुर। स्वास्थ्य कल्याण के क्षेत्र में बेहतर कार्य में रायपुर की श्रेष्ठा तिवारी को मुम्बई में यूनिवर्सल एमिनेन्स एवार्ड से सम्मानित किया गया। त्वचा देखभाल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। ताज होटल मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम मे फिल्म अभिनेता अरबाज खान ने उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया। गौरतलब है कि मुंबई की प्रतिष्ठित फाल्कन मल्टीमीडिया एवं पब्लीसिटी हाउस द्वारा यह पुरस्कार उन दूरदर्शी लोगों को प्रदान किया जाता है, जो ग्राउंड ब्रेकिंग तकनीकों से लेकर परिवर्तनकारी व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से भविष्य को आकार देते हैं।

दूसरों को कर रहे शिक्षित

रायपुर के डीपीएस स्कूल की छात्रा रह चुकी श्रेष्ठा मात्र 8 वर्ष की आयु में त्वचा रोग सोरायसिसइस से पीड़ित हो गई थी। इसके बाद उन्होंने दूसरों को सोरायसिस के बारे में शिक्षित करने और इसे खत्म करने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया। इसके लिए उन्होंने ऑनलाइन ग्रुप की मदद ली। इंस्टाग्राम पर 10 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंचने के साथ ही फेमिना इंडिया, एले और ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशनों में भी उनके प्रयास को जगह मिली। न्यूयॉर्क शहर के लिंक स्क्रीन पर भी इसका प्रसारण हुआ।

समाज लाइव

देशभर से पहुंचे यंग लीडर्स राष्ट्र निर्माण के मिले टिप्स

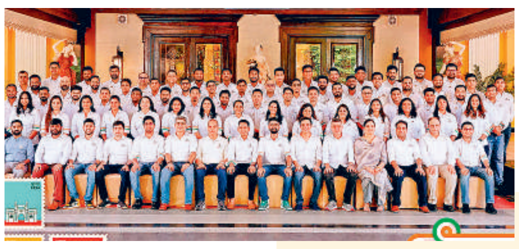

रायपुर। कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए यंग इंडिया ने बूट कैंप का आयोजन रायपुर में किया। इसमें देशभर से 65 यंग लीडर्स ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यंग लीडर्स को 2025 तक अलग-अलग शहरों को समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने के लिए लीडर की तरह काम करने के लिए तैयार करना है। बूट कैंप के प्रतिभागियों को नवाचार और राष्ट्र-निर्माण के लिए किस तरह से काम करना चाहिए, इन पहलुओं को सिखाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 10 पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भी उपस्थित थे। उन्होंने प्रेरक वार्ता में भाग लेते हुए फुटबॉल मैच, समूह पहेली, संगीत बजाना जैसी गतिविधियों से आपसी बंधन को प्रगाढ़ करने का कौशल भी दिया।

युवाओं के लिए रखी मजबूत नींव

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तरंग खुराना ने कहा कि यह परंपरा है कि हर साल हम बूट कैंप का आयोजन करते हैं, ताकि भविष्य के अध्यक्षों और लीडर्स को प्रशिक्षित किया जा सके और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया जा सके। रायपुर को मेजबानी मिलने पर क्षेत्रीय मेंटर अलोक अग्रवाल ने कहा कि रायपुर के लिए यह सम्मान की बात थी कि उसने देश के विभिन्न क्षेत्र के 65 यंग लीडर्स की मेजबानी की। इस बूट कैंप ने रायपुर को एक मंच के रूप में स्थापित किया और यंग इंडिया के लीडर्स के लिए एक मजबूत नींव रखी।

इवेंट लाइव

40 दिनों में पूरी हुई 'आखिरी फैसला' सच्ची घटना से होगा सामना

रायपुर। भाई-भाई फिल्म प्रोडक्शन व श्रद्धा सिनेमा के बैनर तले बनी छत्तीसगढ़ी फिल्म आखिरी फैसला 13 सितंबर को प्रदेश के सभी सिनेमा घरों में रिलीज होगी। इसके पहले रविवार को प्रेस मीट एवं पोस्टर विमोचन प्रेस क्लब में किया गया। 4 सितंबर को बिलासपुर में ओपन मिट रखा गया है। निर्माता गणपति देवांगन ने स्व.सूरज मेहर के परिजनों को एक शो के कलेक्शन को सहयोग स्वरुप देने की घोषणा की। उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि फिल्म की शूटिंग 40 दिनों में की गई हैं।

फैमिली ड्रामा संग सस्पेंस

डीके देवांगन, निर्देशक आदिश कश्यप भी इसमें शामिल हुए। इसमें जाने-माने निर्देशक सतीश जैन अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने संयुक्त रूप से बताया कि एक अखबार में प्रकाशित खबर पर आधारित फिल्म में फैमिली ड्रामा, कॉमेडी व सस्पेंस के साथ फिल्म में किडनैप की अनुछई कहानियों को दिखाया गया है। 6 गानों से सजी यह फिल्म दर्शकों का 2 घंटा 31 मिनट मनोरंजन करेगी।

● रायपुरा की मूर्तिकार फैमिली ने प्राकृतिक चीजों से 100 दिन में बनाई छोटी-बड़ी मूर्तियां

चॉक, कैंडी टॉफी, मोरपंख से दिया इको फ्रेंडली गणेश को स्वरूप नारियल जूट व मौली धागा से निर्मित शिव रूप में विघ्नहर्ता

शहर में कई मूर्तिकार जहां कमाई के लिए धार्मिक भावना से जुड़ी गणेश की प्रतिमाओं का निर्माण करते समय उनके मूल स्वरूप से छेड़छाड़ कर रहे हैं, वहीं रायपुरा में एक ऐसा मूर्तिकार परिवार है, जो विगत 15 साल से इको फ्रेंडली गणेश मूर्तियों का निर्माण कर रहा है। इस बार 100 दिन की मेहनत के बाद उन्होंने छोटी-बड़ी एक दर्जन से अधिक प्रतिमाओं का निर्माण किया है। इनमें चॉक, कैंडी-टॉफी ही नहीं मोरपंख की मदद से भी इस बार गणेश को स्वरूप दिया गया है। इसमें नारियल जूट और मौली धागा से निर्मित शिव स्वरूप में विघ्नहर्ता की प्रतिमा खास है।

रायपुर। रायपुरा में रहने वाले शिवचरण यादव ने 15 साल पहले आस्था को पर्यावरण से जोड़कर देखते हुए विभिन्न प्रतिमाओं का निर्माण करना प्रारंभ किया। इस बार बेटे रवि, राहुल और बेटी राशि के सहयोग से 100 दिन की मेहनत के बाद वे एक फीट ऊंची 8 एवं 8 से 10 फीट की हाइट वाली चार प्रतिमाओं का निर्माण कर पाए हैं। उन्होंने बताया कि इस सीजन में जो प्रतिमा लोगों को पूजा के लिए दूंगा, उनको बनवाने के लिए लोगों ने 2023 में आर्डर दिया था। पहले से मिलने वाली बुकिंग के लिहाज से ही हर साल प्रतिमाओं का निर्माण करता हूं। इससे समय पर लोगों को पूजा के लिए मूर्ति बनाकर दे पाता हूं। 2025 के लिए अभी तीन लोगों ने ऑर्डर बुक किया है। थीम के लिहाज से लोग बाजार से सामान भी खरीदकर देते हैं।

चॉक पेस्ट से दिया आकार

बड़ी मूर्तियों में एक ऐसी भी है, जिसका निर्माण लिखने वाले चॉक का उपयोग करके बनाया गया है। इसके लिए 6500 पीस चॉक को घोलने के बाद उसका पेस्ट तैयार करने के बाद गोंद की मदद से भगवान गणेश की मूर्ति का निर्माण किया गया है। इसे बनाने में करीब एक महीने से भी ज्यादा समय लगा। इसका निर्माण करने के लिए समिति के लोगों ने पिछले सीजन में ही आर्डर दिया था। एक समिति के लोगों द्वारा उपलब्ध कराई गई क्रिस्टल मोती का उपयोग करके भी बड़ी प्रतिमा को सौम्य रूप में भी हमने इस बार आकार दिया है।

धान और हर्बल रंगों का प्रयोग

इकोफ्रेंडली गणेश को इस बार नारियल के जूट की मदद से भी बनाया गया है। इसे तैयार करने में गोंद की मदद ली जाती है। इससे नारियल के जूट का रेसा अलग करके आकार देना पड़ता है। इसके चलते इसमें समय ज्यादा लगता है। इसी तरह क्राफ्ट पेपर और मोमबत्ती की मदद से भी दो अलग-अलग कृतियों को स्वरूप दिया गया है। हर साल की तरह इस सीजन में भी धान के जरिए मूर्ति का निर्माण किया गया है। इनको आकर्षक लुक देने के लिए हर्बल रंग का इस्तेमाल किया गया है, ताकि मूल स्वरूप को यथावत रखा जा सके।

सात हजार टॉफी से दिया स्वरूप

मूर्तिकार ने बताया कि कैंडी टॉफी व चॉकलेट के करीब 35 पैकेट का उपयोग करके 8 से 10 फीट ऊंची प्रतिमा को स्वरूप दिया है। एक पैकेट में करीब 200 टॉफी होती है, यानी 7000 हजार टॉफी की मदद से भगवान गणेश की प्रतिमा को तैयार किया है। उन्होंने बताया कि प्रतिमा का मूल ढांचा बनाने के लिए लकड़ी, वेस्ट न्यूज पेपर और हर्बल रंगों का उपयोग किया जाता है।

फ्रेंडशिप बैंड व सींक से भी

मूर्तिकार द्वारा बनाई गई मूर्तियों में इस बार अल्फाबेट फ्रेंडशिप बैंड से बनी मूर्ति आकर्षण का केंद्र हैं। इसे एक समिति के लोगों ने सालभर पहले उपलब्ध कराया था। इसका उपयोग करके तैयार की गई प्रतिमा भी इस बार शहर के पंडाल में आकर्षण का केन्द्र बनने वाली है। इसमें मोरपंख का इस्तेमाल करके बनाई गई मूर्ति भी खास है। इन दोनों प्रतिमाओं को बनाने में करीब तीन महीना लगा।

चंदा लेकर भक्ति करना औचित्यहीन सामर्थ्य के अनुसार करें पूजा-पाठ

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान जैन मंदिर के मेघ-सीता भवन में चल रहे आत्मकल्याण वर्षावास 2024 के दौरान रविवार को पर्युषण पर्व के दूसरे दिन परम पूज्य श्रमणतिलक विजय ने कहा कि चंदा लेकर भक्ति करने का कोई औचित्य नहीं है। व्यक्ति को खुद के सामर्थ्य के अनुसार पूजा-पाठ करना चाहिए। यदि शक्ति नहीं है तो मंदिर में जाकर अपनी सेवाएं देनी चाहिए। यह भी भक्ति का ही एक रूप है। यदि आपके पास द्रव्यों के साथ पूजन करने की शक्ति नहीं है तो कोई बात नहीं, पूजा करने के लिए द्रव्य का एक कण भी काफी है। ऐसा नहीं है कि केवल पैसा कमाकर ही धर्म किया जा सकता है।

केवल पैसे वाले ही ले रहे हैं धर्म का लाभ

मुनिश्री कहते हैं कि आज केवल पैसे वाले ही धर्म का लाभ ले रहे हैं, यह गलत बात है। आज रसीद के माध्यम से पता चलता है कि कितने रूपयों का कलेक्शन हो चुका है, धर्म को पैसों के साथ तौला जा रहा है। जिसने ज्यादा पैसा दिया उसकी पूछ-परख ज्यादा होती है। आज मंदिरों में बड़ी-बड़ी दानपेटी लगाई जा रही है, जिसमें लोग 500 रुपए डाल कर लखपति बनने की प्रार्थना कर रहे हैं, जबकि हमें पैसों को छोड़ना है। पैसों के मोह को त्यागना है। इन पैसों को जितनी जल्दी हो सके छोड़ दीजिए।

कल्पसूत्र बोहराने की होगी बोली

श्री मेघराज बेगानी धार्मिक व परमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष धर्मराज बेगानी और आत्मकल्याण वर्षावास समिति के अध्यक्ष अजय कानूगा ने बताया कि न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान जैन मंदिर में सोमवार को कल्पसूत्र बोहराने की बोली होगी और जिसे यह लाभ मिलेगा, चतुर्विंग संघ उनके घर जाकर गाजे-बाजे के साथ उनका स्वागत करेगी। वहीं, 2 सितंबर को निखिल सेठिया, 3 सितंबर को मयंक डागा, 4 सितंबर को भंसाली बाल ग्रुप, 5 सितंबर को सुमीत लोढ़ा, 6 सितंबर को ऋषभ नख्त, 7 सितंबर को राहुल कोचर और 8 एवं 9 सितंबर को गुरू इकतीसा होगी और उसके बाद आमंत्रित गायकों और स्थानीय मंडल की ओर से संगीतमयी प्रभु भक्ति होगी।

किसान करेंगे पूजा, पोला पर बैल दौड़ व साज-श्रृंगार स्पर्धा

रायपुर। हर साल की तरह पोला पर्व को परंपरानुसार इस बार भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं विकास समिति के तत्वाधान में मनाया जाएगा। 15 साल पुरानी परंपरा का निर्वहन इस बार भी किया जाएगा। पोला पर्व के अवसर पर सुबह किसान कृषि उपकरणों और कृषि में सहयोगी बैल की पूजा करेंगे। बच्चों को परंपरा से जोड़ने के लिए मिट्टी का बैल व अन्य सामग्री खेलने के लिए दी जाएगी। इस कड़ी में सोमवार को शाम 4 बजे से ही रावणभाठा मैदान में समिति द्वारा बैल दौड़ और बैल साज-श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन एवं किसान सम्मान समारोह किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष माधव लाल यादव और सचिव धन्नू लाल देवांगन ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। सोमवार को आयोजन स्थल पर पूजा-अर्चना भी की जाएगी।

बाहर से आने वाले बैलों के मालिक को यात्रा भत्ता

मैदान पर जल व्यवस्था, बैरिकेट्स, पंजीयन प्रभारी, मंच व्यवस्था, साउंड सर्विस, निर्णायक मंडल, रेफरी आदि का दायित्व दिया गया है। शांति व्यवस्था के लिए वालेंटियर नियुक्त किए गए हैं। बाहर से आने वाले जोड़ों के मालिक को 2000 यात्रा भाड़ा दिया जाएगा। शहर के जिन लोगों ने प्रतियोगिता के लिए पंजीयन करवाया है, ऐसे बैल जोड़ों के मालिकों को 1000 की सांत्वना राशि और मेडल, स्मृति चिन्ह दिया जाएगा। इसमें खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा मुख्य अतिथि रहेंगे। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू अध्यक्षता करेंगे।

लक्ष्मी नारायण गर्ल्स स्कूल में जुटीं हर आयु वर्ग की सैकड़ों पूर्व छात्राएं

71 वर्षों में पहली बार एलुमनी मीट, पूर्व छात्रा के रूप में पहुंची मां-बेटी, 1978 बैच की सहेलियों का भावुक मिलन

कार्नर न्यूज

रायपुर। लक्ष्मी नारायण गर्ल्स कन्या शाला की पूर्व छात्राओं द्वारा एलुमनी मीट 2024 का आयोजन किया गया। यह आयोजन दीनदयाल उपाध्याय नगर स्थित शहनाई गार्डन में रविवार को किया गया। 71 साल पुराने स्कूल का यह पहला एलुमनी मीट था। जिसमें शामिल होने दूसरे शहरों से भी पूर्व छात्राएं पहुंचीं। इस आयोजन की विशेषता यह थी कि पूर्व छात्राओं के तौर पर मां-बेटी का शामिल होना। क्योंकि इस शाला से दो से तीन पीढ़ी पढ़कर निकल चुकी है। वे सभी साथ में आए थे। सभी रिटायर्ट शिक्षिकाएं भी खुश नजर आईं। इनमें श्रीमती शर्मा, श्रीमती भांवरा, श्रीमती लाड, श्रीमती दीक्षित, श्रीमती प्रसाद, श्रीमती सिद्धकी, श्रीमती कटैलिहा, श्रीमती आचार्या, श्रीमती तिवारी, श्रीमती ठाकुर को पूर्व छात्राओं ने शाल, श्रीफल, मोमेंटो और उपहार देकर सम्मान किया।

जिस स्कूल में पढ़ी, वहीं बनी प्राचार्य

श्रीमती प्रसाद ने बताया कि वे खुद इस स्कूल से पढ़कर इसी स्कूल में टीचर बनी और प्रींसिपल बनने के बाद रिटायर्ड हुई। श्रीमती भांवरा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी छात्राएं एलुमनी मीट के नाम एक पौधा लगाएं। शिक्षिकाओं ने सभी छात्राओं को पौधा भी गिफ्ट किया। श्रीमती लाड ने भी अपने संबोधन में सभी छात्राओं की सराहना की। इस आयोजन में 1978 बैच की सरला, शक्ति भी शामिल हुई। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

प्रार्थना करने कतार में लगी छात्राएं

कार्यक्रम संयोजिका प्रीति गोपलानी, लक्ष्मी कुमार और डॉली बदलानी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल प्रेयर से की गई। इसके लिए स्कूल के दिनों की तरह सभी छात्राएं कतार में लगीं। पुराने दिन उन्हें याद आ गए। सभी छात्राओं ने अपने शालेय जीवन को याद किया। किसी ने दीक्षित मैम की डांट-फटकार को याद किया और किसी ने प्रसाद मैम के प्यार-दुलार को याद किया। अपने परिवार और वर्तमान जीवन की बातें भी साझा की।

28 साल बाद शिक्षकों संग सहपाठियों का सानिध्य

28 सालों के बाद जब पुराने छात्र मिले तो यादों का दौर ताजा हो उठा। 28 साल पुराने 1996 बैच के शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान भी छात्रों ने किया। मौका था कुसुम ताई दाबके स्मृति उच्चतर माध्यमिक शाला के पुनर्मिलन समारोह व शिक्षक सम्मान समारोह का। यह आयोजन होटल आलनियर में आयोजित। जिसमें उस समय की शाला प्राचार्या सविता गोवर्धन सहित अखिल खरे, मनीष गोवर्धन, जितेन्द्र सेन, निलिमा शेष, संध्या कोल्हे, श्रीमती कायरकर, श्रीमती धांडे मैडम, श्रीमती कान्हे मैडम सहित अन्य शिक्षक व 1996 बैच के सभी छात्र-छात्राएं शामिल हुए। छात्रों में प्रमुख रूप से प्रज्जवल भाकरे, मोहम्मद हुसैन, पुरषोत्तम यादव, रविन्द्र हलवाई, नरेन्द्र श्रीवास, प्रमोद साहू, द्रोण चंद्राकर, संदीप खंडेलवाल मौजूद रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

भुपेन के शानदार शतक के साथ छत्तीसगढ़ की जीत

रायपुर। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पुदुच्चेरी द्वारा सीनियर मेंस इंटर स्टेट मल्टी डे क्रिकेट टुर्नामेंट 28 अगस्त से जारी है। प्रतियोगिता के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की टीम का दुसरा दो दिवसीय मैच (31 अगस्त -01 सितंबर) को पुदुच्चेरी में प्रेसीडेंट-11 पुदुच्चेरी के विरुद्ध खेला गया। दूसरे दिन छत्तीसगढ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पुदुच्चेरी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 64.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 264 रन बनाए। पुदुच्चेरी टीम की ओर से आकाश ने 80 रन तथा रितेष ने 64 रनों का योगदान दिंया। छत्तीसगढ़ की ओर से शुभम अग्रवाल ने 4 विकेट तथा अजय मंडल ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुये छत्तीसगढ़ ने 69 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 265 रन बनाकर 5 विकेट से मैच जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से भुपेन लालवानी ने शानदार शतक लगाते हुये 13 चौकों तथा 1 छक्के की मदद से 103 रन बनाये। इनके साथ ही अजय मंडल ने 5 छक्कों तथा 2 चौकों की मदद से नाबाद 48 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। पुदुच्चेरी की ओर से गुरवेंदर सिंह ने 3 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 5 विकेट से जीत लिया।

अंतरराज्यीय बैडमिंटन स्पर्धा के लिए छत्तीसगढ़ टीम को दी गई किट

रायपुर। आणंद (गुजरात) में 3 से 6 सितंबर तक आयोजित पश्चिम क्षेत्रीय अंतरराज्यीय बैडमिंटन स्पर्धा के लिये छत्तीसगढ़ की टीम को खेल सामग्री (किट डिस्ट्रीब्यूशन) वितरण का कार्यक्रम हुआ। अंडर-19 जूनियर टीम (पश्चिम क्षेत्र) में मानस भट्टाचार्य–अक्षय दत्त मिश्रा–माही सेन–राशी मल्ल–इशिका पोद्दार– सौरव साहू–तनु चंद्रा–जयेश होसांगाबड़े–श्वेता परदेशी–रौनक चौहान,सीनियर टीम (पश्चिम क्षेत्र) में रौनक चौहान–जयादित्य प्रताप सिंह–रुद्राक्ष स्वर्णकार–हर्षित ठाकुर–रमा दत्ता–हीराल चौहान–जयन्तिका राठौर– करिश्मा खर्डिकर–आयुष माखीजा–सुजय तंबोली–जूही देवांगन–श्वेता परदेशी–माही सेन–एम. वी. अभिषेक– प्रभजीत सिंह छाबड़ा, कोच और प्रबंधन–पवन मलिक कोच–आदित्य नायर कोच–नूतेंद्र साहू मैनेजर शामिल हैं। राज्य बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष विक्रम सिसोदिया व अन्य पदाधिकारियों ने टीम को शुभकामनाएँ दी हैं।

कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में भाग ले रही है छत्तीसगढ़ की हेतांशी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिभावान शतरंज खिलाड़ी हेतांशी मुदलियार श्रीलंका में चल रही प्रतिष्ठित कॉमनवेल्थ युवा शतरंज चैंपियनशिप की बालिका आयु वर्ग 12 में भाग ले रही है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत की ओर से अंडर-12 कैटेगरी में प्रतिनिधित्व करने वाली छत्तीसगढ़ की हेतांशी एकमात्र खिलाड़ी है।

यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 27 अगस्त से 5 सितंबर तक श्रीलंका के कलूतरा प्रांत में आयोजित किया जा रहा है। जहां हेतांशी राष्ट्रमंडल देशों के शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगी। हेतांशी की वर्तमान अंतरराष्ट्रीय रेटिंग 1465 है एवं वे लगातार शतरंज की विभिन्न राज्य व राष्ट्रीय स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुकी है। इस असाधारण उपलब्धि के अलावा हेतांशी ने पिछले माह इंदौर में आयोजित आईपीएससी टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपने कौशल और समर्पण का प्रदर्शन किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण इस वर्ष आयोजित होने वाले एसजीएफई और सीआईएससीई जैसे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भी उनका चयन किया गया है। हेतांशी ने शतरंज की यात्रा सर्वप्रथम स्वर्गीय नन्दलाल के सानिध्य में शुरू की थी। इसके उपरांत चेस शाला के संस्थापक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं फ़िडे इंस्ट्रक्टर रोहित यादव, माइंड जिम चेस अकादमी के रवि कुमार के विशेष मार्गदर्शन में अपने चेस कौशल का विकास किया। हेतांशी शहर की प्रतिष्ठित विद्यालय राजकुमार कॉलेज की छठवी की छात्रा है एवं इस राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप के चयन के लिए छत्तीसगढ़ शतरंज फेडरेशन के महासचिव विनोद राठी एवं रायपुर डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन के सचिव नवीन शुक्ला व अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी है। हेतांशी मुदलियार ने 2022 में छत्तीसगढ़ राज्य अंडर-11 बालिका शतरंज चैंपियनशिप जीती थी। 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य अंडर-11 बालिका शतरंज चैंपियनशिप में उपविजेता स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर पर 3 राष्ट्रीय चैंपियनशिप और 3 स्कूल राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में भाग लिया। उन्होंने कई रेटेड शतरंज टूर्नामेंट में भाग लिया। एशियाई युवा शतरंज चैंपियनशिप में कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन संस्करण में खेला।

एडीएचडी का प्रभाव देखा जा रहा है बच्चों में

बहुत ज्यादा उछलता-कूदता है आपका बच्चा तो इस रोग से हो सकता है पीड़ित, जानें लक्षण और उपचार

कुछ बच्चे घंटों तक रंग भरने या आधे दिन तक चुपचाप ब्लॉकों के साथ खेलने में संतुष्ट रहते हैं। वहीं कुछ बच्चे दो मिनट भी शांत नहीं बैठ पाते। ये एडीएचडी के लक्षण भी हो सकते हैं। 12 साल के रोहन की स्कूल से अक्सर शिकायत आती कि वह एक जगह टिक कर नहीं बैठता और टीचर का सवाल सुने बिना ही जवाब देने लगता है। रोहन के माता-पिता, दोनों ही नौकरी करते हैं, इसलिए वे उसे सही से समझ नहीं पा रहे। इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए रोहन की मां रीना ने वर्क फ्रॉम होम करना शुरू किया और अपने बेटे का व्यवहार अलग पाया। स्कूल से मिल रही शिकायतों को अब वह समझ पा रही थी। इसलिए जब वह रोहन को डॉक्टर के पास लेकर गई तो पता चला कि वह एडीएचडी से पीड़ति है।

क्या है एडीएचडी

एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर। यह बच्चों को प्रभावित करने वाले सबसे आम मानसिक विकारों में से एक है। यह एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है। इस बीमारी से पीड़ति बच्चे में ध्यान केंद्रित करने की कमी, अतिसक्रियता और आवेगशीलता के लक्षण पाए जाते हैं। अधिकतर यह कुछ बदलावों से बचपन में ही ठीक हो जाता है, लेकिन कभी-कभी बड़े होने तक भी सक्रिय रहती है। ऐसे में बच्चे के विकास के लिए इसका समय पर निदान और उचित प्रबंधन बहुत जरूरी है। एडीएचडी के मुख्य रूप से तीन प्रकार होते हैं- संयुक्त प्रस्तुति, अतिसक्रिय/आवेगपूर्ण प्रस्तुति और असावधान प्रस्तुति।

प्रबंधन और चिकित्सा उपचार

एडीएचडी का निदान एक योग्य चिकित्सक या मनोचिकित्सक ही कर सकता है। इसके लिए डॉक्टर परिवार का इतिहास, गर्भावस्था और प्रसव के दौरान की जानकारी, बच्चे के शुरुआती विकास, शिक्षा, सामाजिक संबंध और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी लेते हैं, ताकि पता लगाया जा सके कि समस्या आनुवांशिक तो नहीं है। फिर इसके जरिए उसे आत्मनियंत्रण और सकारात्मकता का गुण सिखाया जाता है, ताकि बच्चा सामाजिक और शैक्षिक समस्याओं का सामना कर पाने में समर्थ बने।

सुरक्षित और समर्थित माहौल

मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली में मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. ओम प्रकाश कहते हैं, एडीएचडी का सही समय पर निदान और प्रबंधन बच्चों के शैक्षिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद कर करता है। बच्चे में एडीएचडी के लक्षण दिखाई देते हैं तो समय रहते विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें। सही उपचार और पारिवारिक सहयोग बच्चे के लिए बहुत जरूरी है। एडीएचडी के प्रबंधन में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को बच्चे के सकारात्मक पहलुओं को प्रोत्साहित करना चाहिए और उसके व्यवहार को समझने की कोशिश करनी चाहिए। स्थिर और समर्थनकारी वातावरण बनाना बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षकों को बच्चों के लिए संरचित और शांत वातावरण बनाना चाहिए, जहां बच्चा सुरक्षित महसूस करे।

कब होती है यह समस्या

एडीएचडी की समस्या अक्सर प्री-स्कूल या केजी तक के बच्चों में देखी जाती है। कुछ बच्चों में किशोरावस्था में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है, तो कई बार यह समस्या वयस्कों को भी परेशान करती है। एडीएचडी से पीड़ित बच्चे में असावधानी और अतिसक्रियता, दोनों के लक्षण होते हैं। मसलन, बिना अनुमति के दूसरों का सामान ले लेना या उनके काम में बाधा डालना। साथ ही दूसरों की बात न सुनना, बस अपनी बातों को ऊपर रखना, बिना वजह चिल्लाना इनकी आदत बन जाता है।

माता-पिता के लिए संकेत

बच्चा किसी भी कार्य पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता। हमेशा अत्यधिक ऊर्जा से भरा रहता है और शांत नहीं बैठ पाता। बच्चा अक्सर अपने काम को शुरू तो करता है, लेकिन उसे पूरा नहीं कर पाता। उदाहरण के लिए, वह खेलते समय एक खिलौने को छोड़कर दूसरे की ओर भागता है। बच्चा दूसरों के साथ खेलते समय समस्याएं दिखा सकता है, जैसे कि दोस्तों से झगड़ा करना, उनकी बात न सुनना या खेल के नियमों का पालन न करना।

हरतालिका तीज पर निर्जला उपवास के कारण हो न जाएं बीमार, रखें इन बातों का भी ध्यान

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरतालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। इस दौरान महिलाएं निर्जला उपवास करती हैं। यह व्रत करवा चौथ और छठ पूजा की तरह ही कठिन होता है। हरतालिका तीज के दिन महिलाएं अन्न के साथ ही जल का भी सेवन नहीं करती हैं। निर्जला व्रत करने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

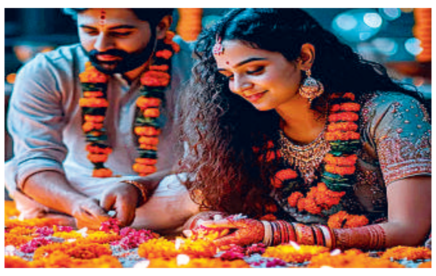

दही या नारियल पानी पीकर रखें व्रत

उपवास करने से पहले दही का सेवन करें या नारियल पानी पीएं। नारियल पानी शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है और दही खाने से अधिक प्यास नहीं लगती है। निर्जला उपवास से पहले दही या नारियल पानी का सेवन करने से व्रत के दौरान ज्यादा प्यास नहीं लगेगी।

धूप से बचें

उमस भरी गर्मी और धूप के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है और बहुत अधिक प्यास लगती है। व्रत के दौरान आप प्यास पर तो काबू कर लेते हैं, लेकिन शरीर को पानी की जरूरत महसूस होती है, जिसे पूरा न करने पर चक्कर आना, सिर दर्द होना जैसी समस्याएं हो सकती है।

थकान से बचें

शारीरिक सक्रियता के कारण थकान महसूस होती है। थकावट को कम करने के लिए शरीर पानी मांगता है। उपवास में अगर आप पानी नहीं पी सकते हैं तो शारीरिक सक्रियता कम रखें। ज्यादा मेहनत वाला या थकावट वाला काम न करें।

योग करते समय भूल से भी न करें ऐसी गलतियां

योग के कई फायदे होते हैं, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करते हैं। सही तरीके से किए गए योगाभ्यास से हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। वजन पर नियंत्रण, लचीलापन और ताकत आती है। वहीं मानसिक समस्याओं जैसे तनाव और चिंता, नींद की समस्या में भी सुधार होता है। योग इम्यूनिटी को मजबूत करता है और कई रोगों से दूर रखता है। हालांकि सेहत के लिए इतना असरदार होने के बावजूद क्या आप जानते हैं कि योग करते समय की गई छोटी-छोटी गलतियां फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकती है। योगासन के दौरान उन सामान्य गलतियों से बचें जो स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकती है।

गंदा योगा मैट

अक्सर लोग योग क्रिया पर ध्यान देते हैं लेकिन आसपास के वातावरण पर ध्यान नहीं देते। जिस योगा मैट पर बैठकर आप अभ्यास करते हैं, वह अक्सर सस्ता और गंदा हो सकता है। सस्ते योगा मैट फिसलने लगते हैं, जिससे चोट लगने का खतरा रहता है। वहीं गंदा योगा मैट कई रोगों का कारक बन सकता है।

कलाई पर ज्यादा भार

योग करते समय अपनी हाथों की कलाइयों पर अतिरिक्त वजन नहीं डालना चाहिए। एक ही मुद्रा में बहुत देर तक बने रहने से पहले कलाइयों को मजबूत करने पर

फोकस करें। ऐसे योगासनों के अभ्यास से बचें, जिससे आपका शरीर अस्थिर होने लगे या सारा भार कलाइयों पर आता हो।

वार्म अप न करना

योग करने से पहले वार्म अप करना चाहिए। कई लोग सीधे कठिन आसनों का अभ्यास करने लगते हैं, जिसे मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द हो सकता है। वार्मअप से शरीर लचीला होता है और मांसपेशियां योग के लिए तैयार होती हैं।

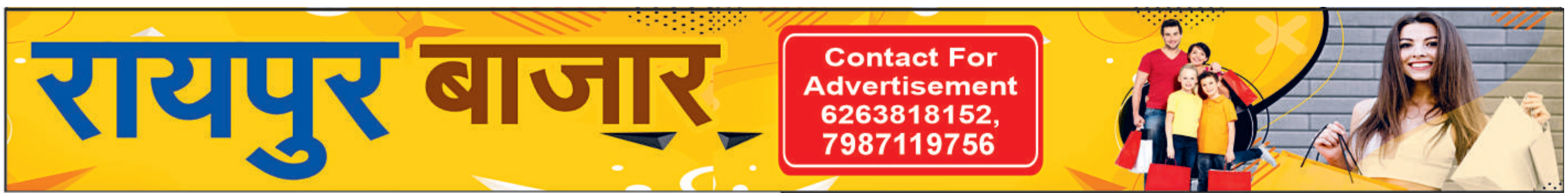

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'बी फेथफुल' के लिए मशहूर रैपर फैटमैन स्कूप की परफॉर्मेंस के दौरान गई जान

अमेरिकी रैपर फैटमैन स्कूप का निधन हो गया है। स्कूप के परिवार और मैनेजर ने शनिवार को यह दुखद खबर साझा की। दरअसल, 53 वर्षीय रैपर

फैटमैन स्कूप शुक्रवार रात को कनेक्टिकट के हैमडेन टाउन सेंटर पार्क में एक मुफ्त कार्यक्रम कर रहे थे। स्टेज पर परफॉर्मेंस के दौरान ही वो बेहोश होकर गिर गए उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। इस दुखद खबर से हिप-हॉप की दुनिया में मातम पसर गया है। हिट ट्रैक 'बी फेथफुल' और 'इट टेक्स स्कूप' के लिए मशहूर रैपर फैटमैन स्कूप के निधन की खबर ने उनके प्रशंसकों और करीबियों को सकते में डाल दिया है। सेलिब्रिटी समाचार साइट टीएमजेड द्वारा प्राप्त घटना के एक वीडियो के अनुसार, जब वह मंच पर थे तब मेडिकल स्टाफ ने स्पष्ट उनके परिवार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा, 'अत्यंत दुख और बहुत भारी मन के साथ हम महान और प्रतिष्ठित फैटमैन स्कूप के निधन की खबर साझा कर रहे हैं।' उन्होंने लिखा, 'फैटमैन स्कूप को दुनिया क्लब की आवाज के रूप में जानती थी। उनके संगीत ने हमें डांस करने और जीवन को सकारात्मकता के साथ अपनाने पर मजबूर किया।' स्कूप के मैनेजर बिर्च माइकल ने फेसबुक पर उनकी मौत की पुष्टि करते हुए लिखा, 'मैं आपसे प्यार करता हूं स्कूप। आपने मुझे जो कुछ भी दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'

टॉलीवुड

'वेट्टैयन' के लिए डबिंग करते दिखे रजनीकांत, जल्द रिलीज की तैयारी

रजनीकांत फिल्म 'वेट्टैयन' में नजर आने वाले हैं। जेलर के बाद से ही फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म अगले महीन 10 अक्तूबर को

रिलीज होने वाली है। ऐसे में फिल्म के फिल्म का पोस्ट पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वेट्टैयन के निर्माताओं ने एक ऐसा दिलचस्प वीडियो साझा किया है, जिसने फैंस का उत्साह और अधिक बढ़ा दिया है।ॉ लाइका प्रोडक्शंस की ओर से जारी किए गए वीडियो में सुपरस्टार अपने हिस्से की डबिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में अभिनेता को बेहद ऊर्जा के साथ अपने संवाद बोलते हुए देखा जा सकता है। इस देखकर फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता और अधिक बढ़ गई है। इस वीडियो को देखने के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा है कि फिल्म के लिए रजनीकांत ने पहले ही अपनी डबिंग पूरी कर ली है, क्योंकि वह वर्तमान समय में लोकेश कनगराज की फिल्म की शूटिंग विजाग में कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक फहद फासिल , मंजू वारियर और दुशारा विजयन ने पहले ही अपने हिस्से की डबिंग पूरी कर चुके हैं। वेट्टैयन' तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होने वाली है। कुछ समय पहले कहा जा रहा था कि बॉक्स ऑफिस पर 'वेट्टैयन' की टक्कर सूर्या की 'कांगुवा' से हो सकती है। हालांकि, बाद में कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि सूर्या की फिल्म की तारीख को बदल दिया गया है। फिलहाल निर्माताओं ने रिलीज की तारीख को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

भोजपुरी

टीवी पर आते ही 'दीदी नंबर 1' ने बनाया रिकॉर्ड, रानी ने वीडियो शेयर कर जताई खुशी

रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. वह खूब पोस्ट शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने बताया है कि कुछ वक्त पहले रिलीज हुई उनकी

फिल्म दीदी नंबर 1 अब टीवी पर आ चुकी है और वह फिल्म टीवी पर आते ही वीक की नंबर 1 फिल्म बन गई है। इसको लेकर रानी चटर्जी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। जिसपर फैंस उनको बधाई दे रहे हैं। रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए अपने फैंस और फिल्म के कलाकारों के साथ-साथ निर्देशकों का भी शुक्रिया अदा किया है। हाल ही में इस फिल्म का टीवी पर वर्ल्ड टेलिविजन प्रीमियर हुआ था। फिल्म को बी4यू भोजपुरी चैनल पर रिलीज किया गया था और अब इसपर टीआरपी की लिस्ट आ गई है। जिसमें इस फिल्म को 20.9 की रेटिंग मिली है। जिसके साथ यह फिल्म हफ्ते की नंबर 1 मूवी बन गई है। रानी ने वीडियो शेयर करते हुए कहा, नमस्कार दोस्तों, मैं इस वीडियो को थोड़ा लेट पोस्ट कर रही हूं, क्योंकि मैं व्यस्त थी और वक्त नहीं मिल पा रहा था। आज बहुत दिन के बाद खुशखबरी आई है, क्योंकि आपलोगों ने इतना ज्यादा प्यार दिया है, इतना आशीर्वाद दिया है कि दीदी नंबर 1 फिल्म इस वीक की नंबर 1 फिल्म बन गई है। इसके लिए आप लोगों का दिल से धन्यवाद। मैं इसके लिए संदीप जी को धन्यवाद कहना चाहती हूं जिन्होंने मुझे इस कहानी के लिए कहा था।' रानी चटर्जी ने आगे कहा, 'संदीप जी का मुझपर जो विश्वास था वो इस कहानी को लेकर उसका रिजल्ट आप लोगों ने दिया है। मुझे इतना प्यार दिया, इसके लिए मैं सबको धन्यवाद देती हूं। फिल्म में जो मेरे तीनों छोटे भाई बने थे, उन्होंने बहुत काम किया है, बहुत हार्ड वर्क किया है। आपने इसको इतना प्यार दिया, भाई-बहन की इस स्टोरी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

कारमैन की याद में

टाईटैनिक हादसे में जान गंवाने वाली कारमैन को लेकर फैशन जगत कुछ न कुछ पेश करते रहता है। न्यूयार्क फैशन वीक के दौरान पिछले दिनों कारमैन की भावना पर आधारित कलेक्शन पेश किया गया। जिसमें ली रैडज़विल की शैली और पिना बॉश की ₹नेलकेनर₹ से प्रेरित बनावट, प्रिंट और स्त्रीत्व का एक रमणीय मिश्रण दर्शकों को देखने मिला। इस कलेक्शन को खूब तारीफ मिली।

ग्लोइंग त्वचा के लिए इस्तेमाल करें दूध से बनें ये फेस मास्क

अगर आप इंस्टेंट ग्लोइंग त्वचा पाना चाहती हैं तो दूध से बने फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकती हैं। दरअसल, कच्चे दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन की समस्याओं को आसानी से दूर करता हैं। घरेलू फेस मास्क तैयार करने के लिए आपको ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ेंगे।

दूध और शहद फेस मास्क

दूध से पहला फेस मास्क बनाने के लिए एक कटोरी में 2 टेबलस्पून दूध और 1 टेबलस्पून शहद मिक्स करें। अब इन दोनों चीजों को एक साथ अच्छी तरह से मिक्स करें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। आखिर में गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इससे आपका चेहरा खिल उठेगा।

दूध और हल्दी फेस मास्क

इस मास्क को तैयार करने के लिए एक कटोरी में 2 टेबलस्पून दूध में 1 चुटकी हल्दी मिक्स करें। अब इसे अपने चेहरे से लेकर गर्दन तक पर लगाएं। 15 मिनट के बाद अपने चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इससे भी आपका चेहरा खिल उठेगा।

दूध और बेसन फेस मास्क

ये मास्क बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए 2 टेबलस्पून दूध में 1 टेबलस्पून बेसन मिक्स करके इसका पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाकर इसे 20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। कुछ

देर के बाद चेहरे को पानी से धो लें।

दूध और आलू का रस फेस मास्क

दूध के साथ-साथ आलू के रस में भी कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा के लिए काफी लाभदायक हैं। इसका मास्क तैयार करने के लिए सबसे पहले 2 टेबलस्पून दूध में 2 टेबलस्पून आलू का रस मिक्स करें। अब इसे चेहरे पर लगाकर आधे घंटे के बाद चेहरे को धो लें।

हेयर एक्सेसरीज से निखरेगा आपका व्यक्तित्व, जानिए ट्रेंड

बाल आपकी सुंदरता में चार चांद लगाते हैं और आपके पूरे व्यक्तित्व को निखार कर सामने लाते हैं। ऐसे में हेयर एक्सेसरीज आपके लुक को एक नया आयाम दे सकती है और बालों को सुंदरता के साथ सजाने में मदद कर सकती है।

पर्ल जाल: यह एक्सेसरीज बन हेयर स्टाइल के साथ इस्तेमाल की जाती है, जो बेहद खूबसूरत और रॉयल लुक देती है। यह पर्ल (मोती) के साथ जाल की तरह सजाई जाती है, जो आपके बालों को एक एलिगेंट और क्लासिक लुक देती है। पर्ल जाल हेयर एक्सेसरीज खासतौर पर विशेष अवसरों, जैसे कि शादी या पार्टी के लिए उपयुक्त है। यह आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगी।

पर्ल हेयर बैंड: पर्ल से सजाए गए हेयर बैंड्स बालों को एक गॉर्जियस लुक देते हैं। पर्ल बैंड्स खासतौर पर पार्टी या फॉर्मल इवेंट्स के लिए आदर्श होते हैं, लेकिन आप इनका इस्तेमाल डेली यूज में भी कर सकती हैं, जो आपको एक आकर्षक-सा लुक देने में मदद करेंगे। यह भी आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे।

नॉट हेयर बैंड : ये हेयर बैंड नॉट डिजाइन के साथ आते हैं, जो आपको एक स्टाइलिश और ट्रेंडी लुक देते हैं। आजकल ये महिलाओं खासकर, लड़कियों की खास पसंद बने हुए हैं। नॉट हेयर बैंड्स बालों को सुसज्जित और व्यवस्थित रखने के साथ-साथ आपके आउटफिट को भी आकर्षक बनाते हैं। ये कैजुअल लुक के लिए भी उपयुक्त हैं, हालांकि इनको इस्तेमाल करना उतना आसान नहीं है, इसलिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ती है।

हेयर क्लिप विद फ्लॉवर: इसमें आपके बाल क्लिप फ्लॉवर डिजाइन के साथ होते हैं, जो बालों में सजावट करने उसे खूबसूरत और आकर्षित दिखाने का एक तरीका है। फ्लॉवर के साथ हेयर क्लिप का यह स्टाइल आपके बालों को सुंदर और नरम लुक देने का काम करता है। यह क्लिप आमतौर पर किसी छोटे-मोटे समारोह के लिए उपयुक्त हैं और आपके लुक को खास बनाते हैं। लेकिन जरूरी है कि आप ऐसे फ्लॉवर का चयन करें, जो आपको क्लासी और खूबसूरत लुक प्रदान करें। बाजार में ये भी आपको आसानी से मिल जाएंगे।

हरतालिका तीज के लिए खरीदनी है पायल तो पहले देखें खास डिजाइन

हर साल भाद्रपद में आने वाली शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन हरतालिका तीज मनाई जाती है। ये त्योहार खासतौर पर महिलाओं के लिए ही होता है, ऐसे में उनका सजना-संवरना तो बनता है। सुहागिन महिलाओं के पैरों में बिछिया के साथ-साथ पायल भी खूबसूरत लगती है। अगर आप इस हरतालिका तीज पर अपने लिए नई पायल खरीदना चाहती हैं तो पहले जान लें कि आजकल ट्रेंड में क्या है ?

पहली डिजाइन

बहुत से लोग वजन देखकर पायल खरीदते हैं। ऐसे में ये डिजाइन काफी सही रहेगी। आप चाहें तो ऐसी सिल्वर पायल का चयन कर सकती हैं। इस पर जो लाल और हरे कुंदन जड़े हैं, उसकी वजह से इसका लुक प्यारा दिख रहा है।

दूसरी डिजाइन

आजकल इस तरह की डिजाइन काफी ट्रेंड में है। आपने ज्यादातर नई दुल्हनों को इस तरह की पायल पहनें देखा होगा। इस पायल में डोली बनी है, जो कि शादी के समय दिखाई देती है।

ऐसे में आप भी इस डिजाइन का चयन कर सकती हैं।

तीसरी डिजाइन

ऐसी मल्टी लेयर पायल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगी। अगर पैरों में भरी-भरी पायल पहनना चाहती हैं तो इस डिजाइन का चयन करें। ये आपके लुक को प्यारा दिखाने में मदद करेगी।

चौथी डिजाइन

अगर सोने की पायल लेने का सोच रहीं हैं तो ये डिजाइन एक बेहतर विकल्प है। इस पायल में मोतियों के साथ पर्ल लगा है, जिसकी वजह से इसका लुक ज्यादा खूबसूरत लग रहा है।

घर बैठे गालों को करना है गुलाबी तो अपनाएं ये नुस्खे

कुछ घरेलू नुस्खे इस्तेमाल कर आप दमकती त्वचा पा सकती हैं। खास बात ये है कि इन नुस्खो को ट्राई करने के लिए आपको न तो ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है और न ही ज्यादा पैसे खर्च करने की।

चुकंदर का रस

चेहरे की चमक बरकरार रखने के लिए चुकंदर का रस काफी फायदेमंद होता है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले चुकंदर का रस निकालकर उसे अपने गालों पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने से गालों पर गुलाबी रंगत आ सकती है।

गुलाब जल और ग्लिसरीन

ये दोनों चीजें आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाने में मदद करेंगी। इसके लिए गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर रात में सोने से पहले गालों पर लगाएं। यह मिश्रण आपकी त्वचा को नमी प्रदान करेगा और गालों को चमकदार बनाएगा।

एलोवेरा जेल

ताजे एलोवेरा जेल को गालों पर 10-15 मिनट तक मसाज करें और फिर धो लें। ये त्वचा की कई

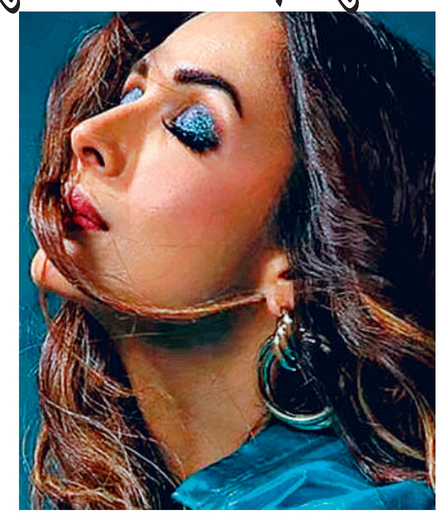

परेशानियों से राहत दिलाता है।

टमाटर का रस

त्वचा को चमकदार बनाए रखने के लिए ताजे टमाटर का रस गालों पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें। ये त्वचा से टैनिंग को भी दूर भगाता है।

कार्नर न्यूज

सामाजिक मूल्य और पारिवारिक स्थिति ने प्रभावित किया है फैशन की पसंद को

बदल रही भारतीय युवाओं की फैशन से जुड़ी पसंद, वजह भी जान लीजिए

हमारे भारतीय युवाओं की फैशन की पसंद में तेजी से बदलाव आया है। आज वैश्विक गांव में तब्दील हो चुकी दुनिया में पल-पल फैशन का ट्रेंड बदल रहा है। इस बीच भारतीय युवा भी अपनी पसंद में बदलाव ला रहे हैं। इस बदलाव के पीछे कई वजहे हैं।

संस्कृति और परिवार

भारत के युवा तेजी से वैश्विक फैशन रुझानों को अपना रहे हैं, लेकिन साथ ही, वे अभी भी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों में गहराई से जुड़े हुए हैं। परिवार की स्वीकृति और अस्वीकृति युवा लोगों के फैशन विकल्पों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, कई युवा अपने रूप-रंग के बारे में निर्णय लेने में अपने परिवारों से सहायता और मार्गदर्शन मांगते हैं।

सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग ने युवा लोगों के फैशन विकल्पों

को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाई है, जिसमें कई लोग अपने पसंदीदा अभिनेताओं और अभिनेत्रियों पर देखे गए नवीनतम फैशन रुझानों से प्रेरणा लेते हैं।

अमीर मध्यम वर्ग

युवाओं के बीच बदलते फैशन के रुझान में योगदान देने वाले प्रमुख कारकों में से एक भारत के मध्यम वर्ग का उदय है। इस बढ़ते जनसांख्यिकीय के पास अधिक डिस्पोजेबल आय है, और परिणामस्वरूप, वे नए, ट्रेंडी और फैशनेबल कपड़ों में निवेश करने में सक्षम हैं। वैश्विक फैशन और जीवन शैली ब्रांडों के बढ़ते संपर्क के साथ, भारत के युवा नए फैशन रुझानों के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं और उनके साथ प्रयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

सोशल मीडिया

युवाओं के बीच बदलते फैशन ट्रेंड में योगदान देने वाला एक और कारक सोशल मीडिया का प्रभाव है। इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर फैशन ट्रेंड को फॉलो करना और बनाए रखना आसान बना दिया है।

परिवार की स्वीकृति और अस्वीकृति

भारत के कई परिवारों में, माता-पिता और युवाओं के बीच अक्सर इस बात को लेकर विवाद होता है कि क्या पहनना है और क्या नहीं।